आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

नं. 1 क्षेत्रीय अखबार

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 346 | इंदौर, सोमवार 13 जुलाई, 2026 | आषाढ़ कृष्ण 14 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में खालिस्तानी नारे

जालंधर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर 'खालिस्तान जिंदाबाद' और 'मोदी मुर्दाबाद' जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। एसएफजे के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। जसवंत सिंह खालड़ा पर ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज बनी थी, जिसे रिलीज होने के दूसरे दिन ही ओटीटी से हटा दिया गया था और अब पूरी तरह से बैन कर दिया गया है।

नेपाल में जेन-जी प्रदर्शन, तीन ने किया आत्मदाह का प्रयास, 2 की मौत

काठमांडू। नेपाल में युवाओं की बढ़ती नाराजगी फिर से सड़कों पर दिखाई देने लगी है। पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। इनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलसा हुआ अस्पताल में भर्ती है। प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जेन-जी नेपाल संगठन ने प्रधानमंत्री बालेन शाह पर जनविरोधी और निरंकुश तरीके से शासन चलाने का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि बजट व नीतियों में युवाओं के रोजगार और आय बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

राममंदिर के चंदा चोरों को फांसी जरूर मिलेगी : केजरीवाल

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि चंदा चोरों को फांसी की सजा जरूर मिलेगी। भाजपा ने भगवान राम के नाम पर वोट मांगकर केंद्र और 21 राज्यों में सरकार बनाई। बदले में प्रभु श्रीराम के साथ विश्वासघात किया। इधर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने कहा, राम जन्मभूमि आंदोलन और मंदिर निर्माण में चंपत राय का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कोई चोरी नहीं की। राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन की टीम 22 जुलाई के बाद कमान संभाल सकती है। इस पर मंथन चल रहा है। पुलिस आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव को रिमांड पर ले सकती है।

सोनू मिश्रा ने मेकर्स का लीगल नोटिस फाड़ा

मुंबई। एक्टर सोनू मिश्रा ने फिल्म 'काला हिरण' के मेकर्स की तरफ से मिले लीगल नोटिस को फाड़ दिया और कहा कि वह डरने वाले नहीं हैं। इंस्टाग्राम पर वीडियो अपलोड कर सोनू ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से 'काला हिरण' मूवी की कंट्रोवर्सी चल रही है और आप सबने मेरा नाम नेशनल और इंटरनेशनल मीडिया में देखा होगा, सुना होगा। मैंने मीडिया में सच बोला था और उस सच बोलने की वजह से 'काला हिरण' मूवी के प्रोड्यूसर अमित जानी ने मुझे एक लीगल नोटिस भेजा है। क्यों भाई साहब सच बोलना क्राइम है क्या? बताइए मुझे और जो लिखित धमकी आपने लीगल नोटिस के नाम पर दी है, उसे इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 351 के तहत इसको क्रिमिनल इंटिमिडेशन कहा जाता है। मतलब लीगल नोटिस के नाम पर आप रिटन थ्रेट दे दो, मतलब इलीगल धमकी बोल सकते हैं।' उन्होंने आगे कहा, आपको बता दूं मैं इस गीदड़ धमकी से डरने वाला नहीं हूं। हनुमान जी का भक्त हूं मैं। छोटे से गांव से निकलकर मुंबई तक का सफर किया है।

राजस्थान में स्कूल के पास तालाब में डूबे चार भाई-बहनों की मौत

डूंगरपुर। राजस्थान के डूंगरपुर के बड़ी गांव में वाव्रक तालाब में नहाने पहुंचे 4 बच्चों की डूबने से मौत हो गई। इनमें 3 सगे भाई-बहन और एक उनकी फुफेरी बहन है। वहीं, 2 बच्चों को ग्रामीणों ने बचा लिया। सभी एक ही गांव और परिवार के थे। घटना रविवार सुबह 10 बजे की है। इस घटना से समूचे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। धम्बोला थाना पुलिस के अनुसार 6 बच्चे स्कूल के बाद बने तालाब में नहाते समय गहराई में चले गए थे। हादसे में बड़ी गांव के रहने वाले बाबूसिंह डामोर की बड़ी बेटी हिना (24), बेटा प्रतीक (20), छोटी बेटी इशिता (15) की मौत हो गई। बच्चों की फुफेरी बहन रौनक (20) पुत्री गौतम भाई परमार निवासी पालनपुर ने भी दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने राजवीर पुत्र कोहरा डामोर, जयसिंह पुत्र सुरेश डामोर को बचा लिया।

डिलीवरी के बहाने घर में घुसकर महिला से की अश्लील हरकत

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाने वाला मामला सामने आया है। शहर के मुन्नेकोलाला इलाके स्थित एक अपार्टमेंट में डिलीवरी देने पहुंचे एक डिलीवरी एग्जीक्यूटिव पर महिला के साथ कथित तौर पर अश्लील हरकत करने और अभद्र इशारे करने का आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर मराठाहल्ली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान 22 वर्षीय विजय मल्लिकार्जुन कामत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम आरोपी डिलीवरी एग्जीक्यूटिव ऑर्डर लेकर महिला के फ्लैट पर पहुंचा। इस दौरान उसने बाथरूम इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी। महिला का आरोप है कि बाथरूम से बाहर आने के बाद आरोपी ने उसके सामने अश्लील इशारे किए और अपना प्राइवेट पार्ट दिखाया।

पहाड़ों पर कुदरत का कहरः उत्तराखंड में 91 सड़कें बंद

तीनों राज्यों के स्थानीय प्रशासनों ने भारी बारिश वाले क्षेत्रों में भूस्खलन, जलभराव, फिसलन भरी सड़कों प्रति आगाह किया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मौसम विभाग और तीनों राज्यों के स्थानीय प्रशासनों ने भारी बारिश वाले क्षेत्रों में भूस्खलन, जलभराव, फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के प्रति आगाह किया है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर (घाटी) में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है।

नदियां उफान पर हैं, मुख्य हाईवे से लेकर सैकड़ों लिंक रोड बंद हैं और लोग लगातार मलबे व भूस्खलन के डर के साये में जीने को मजबूर हैं। बिगड़ते हालातों को देखते हुए मौसम विभाग और स्थानीय प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। दक्षिण कश्मीर में प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिला है, जहां दो अलग-अलग प्रसिद्ध इलाकों में अचानक बादल फटने से नदी-नालों में भयंकर सैलाब आ गया। उत्तराखंड में भूस्खलन के कारण संपर्क मार्ग पूरी तरह टूट चुके हैं। राज्य में एक राष्ट्रीय राजमार्ग और दो स्टेट हाईवे समेत कुल 91 मुख्य मार्ग बंद हैं, जिससे आवाजाही ठप हो गई है।

केन-बेतवा परियोजना के विरोध में नदी किनारे चल रहा आंदोलन

आदिवासी महिलाओं का फांसी सत्याग्रह

दैनिक अवन्तिका ▸▸ छतरपुर

छतरपुर में मध्यप्रदेश की महत्वाकांक्षी 44,605 करोड़ रुपये की केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के विरोध में नए तरीके से आंदोलन शुरू हो गया है। प्रभावित आदिवासी महिलाओं ने आंदोलन को नया रूप देते हुए प्रतीकात्मक 'फांसी सत्याग्रह' शुरू कर दिया है।

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने गले में फांसी का फंदा डालकर सरकार से मांग की कि यदि उन्हें उचित पुनर्वास और न्याय नहीं मिल सकता, तो इच्छामृत्यु की अनुमति दी जाए। कूपी गांव के पास बराना नदी किनारे चल रहा इस आंदोलन का आज 10वां दिन है। इससे पहले परियोजना प्रभावित परिवार जल सत्याग्रह और चिता सत्याग्रह भी कर चुके हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमित भटनागर पिछले पांच दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उनका आरोप है कि प्रशासन ने अप्रैल में किए गए आश्वासन अब तक पूरे नहीं किए हैं।

विस्थापन, आजीविका और पहचान खोने का आरोप

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि परियोजना के कारण हजारों परिवारों की जमीन, जंगल, जल स्त्रोत, आजीविका और सांस्कृतिक पहचान छिन गई है। उनका आरोप है कि कई परिवारों को अवैध रूप से बेदखल किया गया, झूठे मुकदमे दर्ज किए गए और बिजली कनेक्शन तक काट दिए गए। साथ ही परियोजना प्रभावितों की सूची तैयार करने में भी अनियमितताएं बरती गईं। उनका दावा है कि मैनारी गांव के 114 लोगों के नाम अब भी सूची में शामिल नहीं किए गए हैं।

मांगों पर हो रहा काम- छतरपुर कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कहा कि अधिकारियों की प्रदर्शनकारियों से लगातार बातचीत चल रही है। उनके अनुसार अप्रैल में उठाई गई अधिकांश मांगों पर कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में राहत एवं पुनर्वास पैकेज में वृद्धि को मंजूरी दी है, लेकिन अब प्रदर्शनकारी इससे अधिक मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

मुंबई के ताज होटल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी ▸▸ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के दक्षिण इलाके कोलाबा में स्थित प्रतिष्ठित ताज महल पैलेस होटल में रविवार, 12 जुलाई 2026 को उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रबंधन को होटल परिसर में बम होने की धमकी भरा एक फोन कॉल प्राप्त हुआ। इस संवेदनशील सूचना के मिलते ही मुंबई पुलिस, आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हाई-अलर्ट पर आ गईं। एहतियात के तौर पर होटल के मेहमानों, स्टाफ और आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे परिसर को घेरकर एक सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, धमकी देने वाले अज्ञात कॉलर को ट्रेस करने के लिए तकनीकी विंग ने भी समानांतर जांच शुरू कर दी है।

जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे

सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ी, 7.8 किलो वजन घटा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध स्थल पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे शिक्षाविद् और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति रविवार को और बिगड़ गई। डॉक्टरों ने बताया कि उनका ब्लड प्रेशर लॉ हो रहा है और भूख हड़ताल शुरू करने के बाद अब तक उनका 7.8 किलोग्राम वजन कम हो चुका है। सीजेपी संस्थापक अभिषेक दिपके द्वारा शेयर किए गए वीडियो में वांगचुक बेहद कमजोर नजर आए। प्रदर्शन स्थल पर कई नेता और बौद्धिक वर्ग के लोग एकजुटता जताने पहुंचने वाले हैं।

बीएसएनएल ने बिना नेटवर्क के चलने वाला फोन लॉन्च किया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल ने देश में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए बिना मोबाइल नेटवर्क के भी सीधे सैटेलाइट से जुड़कर काम करने वाला एक बेहद खास फोन लॉन्च किया है। यह फोन उन सुदूर इलाकों, जंगलों, पहाड़ों या आपदा प्रभावित क्षेत्रों में भी पूरी तरह काम करेगा, जहां किसी भी कंपनी का सामान्य मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं होता है।

इस फोन के जरिए सीधे अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स की मदद से वॉयस कॉलिंग और मैसेजिंग की जा सकती है। अगर आप इस हाई-टेक सैटेलाइट फोन को खरीदना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको पर्मिशन के साथ एक बड़ी रकम खर्च करनी होगी। बीएसएनएल द्वारा लॉन्च किए गए इस नए सैटेलाइट फोन की कुल कीमत टैक्स सहित 1,34,166 यानी लगभग डेढ़ लाख तय की गई है। इसके अलावा इसके कॉलिंग और मैसेजिंग पैक्स के लिए भी सामान्य मोबाइल रीचार्ज के मुकाबले अलग और अधिक शुल्क देना होता है, क्योंकि इसकी कनेक्टिविटी सीधे अंतरिक्ष के उपग्रहों से होती है।

परंपरागत मार्ग से ही निकलेगी महाकालेश्वर की 6 सवारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

भगवान श्री महाकालेश्वर की श्रावण-भादौ मास में निकलने वाली सवारी इस वर्ष भी परंपरागत मार्ग से ही निकलेंगी। सवारी मार्ग में चौड़ीकरण एवं विकास कार्य इसमें बाधक नहीं रहेगे। इस वर्ष प्रति सोमवार 3 अगस्त से 7 सितंबर के दौरान 6 सवारियां निकाली जाएंगी। इसे लेकर रविवार को मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर रोशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया है।

श्रावण-भादौ मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में प्रथम सवारी सोमवार 3 अगस्त 2026, द्वितीय सवारी सोमवार 10 अगस्त 2026, तृतीय सवारी सोमवार 17 अगस्त 2026, चतुर्थ सवारी सोमवार 24 अगस्त 2026 को श्रावण मास में निकाली जायेगी। इसी तरह भादौ मास में पंचम सवारी सोमवार 31 अगस्त 2026 तथा राजसी (शाही) सवारी सोमवार 7 सितम्बर 2026 को निकाली जायेगी।

श्रावण-भादौ मास में प्रतिदिन भगवान श्री महाकालेश्वर की भस्म आरती 30 जुलाई 2026 से 7 सितम्बर 2026 तक प्रातःकालीन पट खुलने का समय प्रातः 3 बजे होगा। प्रत्येक सोमवार को पट का समय प्रातः 2.30 बजे होगा। भस्म आरती प्रतिदिन प्रातः 3 से 5 बजे तक और प्रत्येक सोमवार को 2.30 से 4.30 बजे तक होगी। इसी तरह 08 सितम्बर से पट खुलने का समय पूर्ववत होगा।

फाइल फोटो

ओमान के पास व्यापारी जहाज पर हमला

11 भारतीय सवार थे, 10 सुरक्षित, एक लापता, भारत ने हमले की निंदा की

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव

ओमान तट के पास एक व्यापारी जहाज 'जीएफएस गैलेक्सी' पर हमला हुआ। भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इस जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है।

भारत ने हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मस्कट में भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर लापता भारतीय की तलाश और बचाव अभियान पर लगातार नजर रखे हुए है। भारत ने इस अभियान में सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का धन्यवाद भी दिया। भारत ने कहा कि क्षेत्र में व्यापारी जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए। साथ ही तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बिना किसी बाधा के जहाजों की आवाजाही जल्द बहाल होनी चाहिए।

देश में फिर कोरोना वायरस : आंध्र प्रदेश में कोविड-19 के नए मामले

2 मरीजों की मौत के बाद हड़कम्प

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में कोविड-19 के नए मामले सामने आने के बाद राज्य का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। पिछले कुछ हफ्तों में जिले के भीतर कोरोना वायरस के 8 सक्रिय मामलों की पुष्टि हुई है, जबकि संक्रमण के कारण 2 मरीजों की जान जा चुकी है। लगातार सामने आ रहे इन मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है और अस्पतालों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

कडप्पा के राजमपेट इलाके में एक 52 वर्षीय व्यक्ति को तेज बुखार और खांसी के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, एक अन्य मामले में कडप्पा के ही रहने वाले 43 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें स्थानीय सरकारी अस्पताल में दाखिल कराया गया था। वह भी वायरस से संक्रमित पाए गए और उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके अलावा कडप्पा मेडिकल कॉलेज के एक 25 वर्षीय छात्र में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसे फिलहाल होम आइसोलेशन में रखा गया है।

दो मौतों और नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। जिले के प्रभावित इलाकों में विशेष त्वरित प्रतिक्रिया दल तैनात किए गए हैं। इन टीमों ने संक्रमितों के संपर्क में आए लगभग 40 लोगों के सैंपल एकत्र किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें से 18 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है, जबकि शेष सैंपलों की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

सरकार की ओर से सख्त दिशा-निर्देश जारी

आंध्र प्रदेश की जिला प्रभारी मंत्री सविता ने जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी से फोन पर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बुखार, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों वाले मरीजों की पहचान कर उन्हें आवश्यकतानुसार आइसोलेशन सुविधाओं में शिफ्ट किया जाए। प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता और सैनिटाइजेशन अभियान को भी तेज कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य भर के अस्पतालों को पर्याप्त बेड, दवाइयां और आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, बल्कि सतर्कता बरतें। भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क का उपयोग करने और लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शनिवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

पर्यटन संभालेगा एतिहासिक होटल

शहर की कभी शान रही नगर की संस्था की एक मात्र होटल जो कि धर्मनगरी के लिए एतिहासिक है अब पर्यटन संभालने जा रहा है। इसे नगर की संस्था ने पूरी तरह से खाली कर दिया है। पिछले कुछ दिनों से शहर की संस्था समझौते के तहत अपना सामान यहां से बटौर रही थी। हालिया स्थिति में नगर की संस्था ने अपना पुरा सामान यहां से बटौर लिया है। पर्यटन ने इसे अपने अधिकार में ले लिया है और उसके यंत्रियों ने यहां किए जाने वाले निर्माण एवं संधारण के कामों को आगामी दिनों में खोलने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। एक समय था शहर में होटल के नाम पर नगर की संस्था की इस भव्य होटल का ही नाम शहर के लोगों की जुबान पर आता था। शहर के मध्य में होने से और विशाल परिसर एवं उद्यान होने से इसका एक अलग ही लूक रहा है। शहर के धनी और रईस ही इसमें अपने आयोजन करते थे। खास यह था कि इसके परिसर के पीछे नगर की संस्था के अधिकारियों के निवास रहे हैं। महाआयोजन को लेकर इस बार यह पर्यटन को तैयारी के लिए दे दिया गया है। 90 के दशक में इसे लीज पर उठाने का काम भी तत्कालीन नगर की संस्था के प्रशासनिक जिम्मेदारों ने कर दिया था। बमुश्किल कानूनी विवादों के बाद यह चंगुल से बाहर निकल सकी और नगर की संस्था का कब्जा इस पर बाद में हो सका है। देखने में विशाल एवं किसी महल की आकृति की यह भव्य होटल फ्रीगंज से शहर और शहर से फ्रीगंज आने वालों के लिए काफी दर्शनीय रही है। अब आगामी समय में पर्यटन ही इसका संचालन करेगा और इसके रखरखाव की जिम्मेदारी का वहन भी वहीं करेगा। खुसूर-फुसूर है कि धर्मनगरी की नगर संस्था अब पूरी तरह से अपने अतिथियों के लिए दुसरों पर निर्भर होकर रहेगी। उसके पास अपने यात्रियों के लिए एक अदद आशियाना भी नहीं बचेगा। धर्मनगरी की नगर संस्था को अब अपने अतिथियों के लिए एक अदद आशियाने की योजना पर भी विचार करना चाहिए जो कि सम्मान का सूचक भी है।

न्यूज कॉलम

महाकाल परिसर में 18 से सजेगा सतरंगी सावन मेला

उज्जैन। शहर के महाकाल परिसर में माहेश्वरी समाज के फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा 18 और 19 जुलाई को दो दिवसीय सतरंगी सावन मेला आयोजित किया जा रहा है। शनिवार और रविवार को आयोजित होने वाले इस मेले में सावन का उत्साह और विभिन्न आकर्षण एक साथ देखने को मिलेंगे। मेला प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा। मेले के मुख्य आकर्षणों में ढेरों शॉपिंग स्टॉल, आकर्षक खरीदारी के विकल्प, शानदार उपहार, मजेदार तंबोला और स्वादिष्ट फूड जोन शामिल रहेंगे। आयोजकों ने बताया कि मेले में स्टॉल बुकिंग प्रारंभ हो चुकी है। यह बुकिंग सभी समाज के सभी वर्गों के लिए खुली है। स्टॉल बुकिंग के लिए संगीता भूतड़ा, शीतल मूंदड़ा और पायल भूतड़ा से संपर्क किया जा सकता है।

पदोन्नति की सौगात पर राज्य कर्मचारी संघ ने किया सीएम यादव का अभिनंदन

उज्जैन। मध्य प्रदेश शासन द्वारा सभी विभागों में युद्ध स्तर पर की जा रही कर्मचारियों की पदोन्नति से प्रदेश के कर्मचारी जगत में हर्ष व्याप्त है। कर्मचारियों को पदोन्नति की यह बड़ी सौगात देने पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की उज्जैन जिला एवं संभाग इकाई ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नगर आगमन पर उनका भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। संघ के जिला प्रवक्ता राकेश पाठक ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निजी संकल्प के कारण ही कर्मचारियों की रुकी हुई पदोन्नति संभव हो सकी है। उनके इस ऐतिहासिक निर्णय पर आभार व्यक्त करने के लिए प्रदेश संगठन मंत्री मनोहर गिरी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया।

ट्रेंडिंग

प्रेमछाया मार्ग की सीवरेज खुदाई बनी जानलेवा

गड्ढों में भरा बारिश का पानी, सुरक्षा के तहत बैरिकेट्स भी नहीं, लोगों की जान जोखिम में

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर में सीवरेज लाइन बिछाने के कार्य में बरती जा रही लापरवाही अब आम लोगों की सुरक्षा पर भारी पड़ने लगी है। चामुंडा माता चौराहे से प्रेम छाया होते हुए भाटगली से पुराने शहर की ओर जाने वाले कई प्रमुख मार्गों पर गहरी खुदाई के कारण लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। सबसे चिंताजनक स्थिति प्रेम छाया से भाटगली जाने वाले मार्ग पर है, जहां बारिश का पानी गहरे गड्ढों में भर जाने के बावजूद सुरक्षा के तहत बैरिकेड्स तक नहीं लगाए गए हैं। ऐसे में वाहन चालक जान जोखिम में डालकर गड्ढों के किनारे से निकलने को मजबूर हैं।

प्रेम छाया से बहादुरगंज होते हुए भाटगली तक तथा प्रेम छाया से त्रिमूर्ति टॉकीज होते हुए क्षीरसागर जाने वाले मार्ग पर सीवरेज लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई है। इसी तरह देवास गेट से मालीपुरा और दौलतगंज की ओर जाने वाले मार्ग पर भी खुदाई जारी है। इन मार्गों के एक साथ खोदे जाने से पुराने शहर की ओर जाने वाले प्रमुख रास्ते बाधित हो गए हैं, जिससे आम नागरिकों और व्यापारियों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण खुदाई वाले गहरे गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे उनकी वास्तविक गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद कई स्थानों पर न तो चेतावनी संकेत लगाए गए हैं और न ही बैरिकेड्स की व्यवस्था की गई है। मजबूरी में दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक गड्ढों के बेहद करीब से वाहन निकाल रहे हैं, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

प्रेम छाया से भाटगली, त्रिमूर्ति टॉकीज-क्षीरसागर और देवास गेट-मालीपुरा मार्गों पर खुदाई से यातायात प्रभावित

सुरक्षा इंतजामों के अभाव में हर पल दुर्घटना का खतरा

प्रमुख मार्गों पर बढ़ी परेशानी - प्रेम छाया, बहादुरगंज, भाटगली, मालीपुरा, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, लकड़गंज और कंगालपुरा सहित कई क्षेत्रों में सीवरेज लाइन के लिए जगह-जगह गहरी खुदाई की गई थी। लेकिन जिन स्थानों पर सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य पूरा हो गया है वहां ठीक से सड़क की मरम्मत भी नहीं की गई है वहीं जहां काम चल रहा है वहां निर्माण एजेंसी द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। बरसात के मौसम में खुले गड्ढे और उनमें भरा पानी राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

कई जगह सुरक्षा इंतजाम नहीं - स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में पहले भी सीवरेज लाइन की खुदाई के दौरान खुले गड्ढों में गिरकर कई लोग घायल हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद निर्माण एजेंसी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रही है। यदि समय रहते बैरिकेड्स, चेतावनी बोर्ड और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

निरीक्षण के बावजूद दिख रही लापरवाही

गौरतलब है कि नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा लगातार निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं और लापरवाही मिलने पर संबंधित एजेंसियों पर कार्रवाई भी कर रहे हैं। इसके बावजूद प्रेम छाया-भाटगली मार्ग पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। नागरिकों ने मांग की है कि खुले गड्ढों को तत्काल बैरिकेड्स से सुरक्षित किया जाए और बारिश के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं, ताकि किसी भी अप्रिय दुर्घटना से बचा जा सके।

एथाइल वाली दवा डाक्टर के पर्चे के बगैर मिलना संभव नहीं

अब अवैध भट्टी की शराब बनाने वालों को टींचर मिलना मुश्किल होगा

बगैर पर्चे के एथाइल अल्कोहल की दवा देने पर विक्रेता को करना होगा मुसीबतों का सामना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

एथाइल अल्कोहल की 12 प्रतिशत से अधिक मात्रा वाली दवाएं अब बगैर डाक्टर के पर्चे के विक्रय नहीं की जा सकेंगी। केंद्र सरकार ने ऐसे उत्पादों की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे को अनिवार्य कर दिया है। इथाईल अल्कोहल के एक रूप में टींचर भी है जिसका उपयोग अवैध हाथ भट्टी की शराब बनाने में किया जाता है। ऐसे में इस अवैध काम पर भी बड़ी मात्रा में रोक लगेगी।

जिला ड्रग निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह कुशवाह के अनुसार केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अधिक मात्रा में एथिल अल्कोहल (इथेनॉल) युक्त औषधीय फॉर्मूलेशनों (दवाओं) के नियमन को सख्त कर दिया। इसे लेकर नोटिफिकेशन को सभी विक्रेताओं के संज्ञान में ला दिया गया है। इसके लिए सोमवार को विभागीय स्तर पर भी कार्रवाई करते हुए पत्र विक्रेताओं की एसोसिएशन एवं सोश्यल मीडिया पर प्रसारित कर दिया जाएगा।

ये किया सरकार ने

सरकार ने ऐसे उत्पादों की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे को अनिवार्य कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य इन दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाना और साथ ही वास्तविक चिकित्सीय जरूरतों के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना है। मंत्रालय ने बताया कि इलायची, अदरक और अन्य सुगंधित औषधीय फॉर्मूलेशन की टिंचर जैसी कई औषधीय तैयारियों को पहले अनुसूची-के तहत लाइसेंस संबंधी आवश्यकताओं से छूट प्राप्त थी। हालांकि, इनमें से कुछ उत्पादों में 80 से 90 प्रतिशत तक एथाइल अल्कोहल होता है, जिससे इनके नशे के उद्देश्य से दुरुपयोग की आशंका रहती है। केंद्र सरकार ने यह भी बताया कि कुछ राज्य सरकारों ने ऐसे उत्पादों के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताते हुए इस संबंध में सुझाव और संदर्भ भेजे थे।

लाइसेंस प्राप्त करना होगा- इस समस्या के समाधान के लिए सरकार ने तय किया है कि 12 प्रतिशत से अधिक एथाइल अल्कोहल वाली और 30 मिलीलीटर से अधिक पैकिंग में उपलब्ध सभी औषधीय तैयारियां अब अनुसूची-के तहत मिलने वाली छूट की पात्र नहीं होंगी। इसके परिणामस्वरूप ऐसे उत्पादों के निर्माता और विक्रेताओं को अब औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत आवश्यक लाइसेंस प्राप्त करना होगा।

विस्तृत रिकॉर्ड रखना होगा- संशोधन के तहत इन औषधीय तैयारियों को ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची-एच1 में भी शामिल किया गया है, जिससे ये अधिक कड़े नियामकीय नियंत्रण के दायरे में आ जाएंगी। अनुसूची-एच1 में शामिल दवाएं केवल पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टिशनर के पर्चे पर ही बेची जा सकेंगी और इनके विक्रय का विस्तृत रिकॉर्ड रखना भी अनिवार्य होगा।

निगरानी-नियंत्रण होगा मजबूत

मंत्रालय के अनुसार, संशोधित व्यवस्था से अल्कोहल युक्त औषधीय उत्पादों की निगरानी और नियंत्रण मजबूत होगा तथा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इनकी आपूर्ति केवल विनियमित दवा वितरण प्रणाली के माध्यम से ही हो। इससे इन उत्पादों के दुरुपयोग और गलत इस्तेमाल की आशंका में उल्लेखनीय कमी आएगी जबकि वास्तविक चिकित्सीय जरूरत वाले मरीजों के लिए इनकी उपलब्धता बनी रहेगी। मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन देश की दवा नियामक व्यवस्था को और मजबूत बनाने, औषधीय उत्पादों के विवेकपूर्ण एवं जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने तथा जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

उज्जैन की प्रियांशी प्रजापत ने मप्र को दिलाया गोल्ड

अंडर-23 सीनियर नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में रचा इतिहास

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

प्रदेश के उज्जैन की प्रियांशी प्रजापत ने अंडर-23 सीनियर नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। हरियाणा के रोहतक में आयोजित प्रतियोगिता में प्रियांशी ने 50 किलोग्राम वजन वर्ग समूह में दमदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को पहला गोल्ड पदक दिलाया है। उन्होंने इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का खाता भी खोल दिया है। तीन दिवसीय 10 से 12 जुलाई तक चलने वाली चैंपियनशिप में देशभर के विभिन्न राज्यों जैसे हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक से 70 से अधिक शीर्ष खिलाड़ियों ने शिरकत की है। मध्य प्रदेश की तरफ से 8 महिला पहलवानों का दल इस प्रतियोगिता में उतरा है। प्रियांशी ने अपने वर्ग में कुश्ती की गढ़ मानी जाने वाली टीमों हरियाणा, पंजाब और राजस्थान की महिला पहलवानों को एक के बाद एक कड़े मुकाबलों में शिकस्त देकर गोल्ड मैडल जीता है।

संक्षिप्त समाचार

एक हजार साल पुराने सती गेट से अतिक्रमण हटाने की मांग

उज्जैन। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने और सुंदरता बढ़ाने के लिए राजा भोज द्वारा बनाए गए एक हजार साल पुराने सती गेट के आसपास से संपूर्ण अतिक्रमण हटाने की मांग जोर पकड़ रही है। सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर चल रहे विकास कार्यों के तहत इस प्राचीन गेट को भव्य स्वरूप दिया जाना है, लेकिन एक स्थानीय भाजपा नेता की हठधर्मिता के कारण यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट अटक गया है। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र गब्बर कुवाल ने बताया कि सती गेट उज्जैन की प्राचीन धरोहर और आकर्षण का केंद्र है। लोगों की मांग है कि सती गेट के आसपास का पूरा अतिक्रमण तुरंत हटाया जाए ताकि इसका ऐतिहासिक स्वरूप निखर कर सामने आए।

शिक्षकों ने जताया सीएम का आभार

उज्जैन। प्रदेश के तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिथि व्याख्याताओं को भी अब उच्च शिक्षा विभाग के अतिथि विद्वानों के समान सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में इसकी घोषणा की। शुरूआत में इस कार्यक्रम से वंचित रखे गए तकनीकी व्याख्याताओं को उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज के शिक्षकों के विशेष प्रयासों के बाद अंतिम समय में आमंत्रित किया गया।

महाकाल सवारी नए और चौड़े मार्ग से निकालने की मांग

उज्जैन। शहर में चल रहे विकास और चौड़ीकरण कार्यों को देखते हुए बाबा महाकाल की सवारी नए और व्यापक मार्ग से निकालने की मांग उठी है। इंदौर गेट व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष व पूर्व मंडी डायरेक्टर गोपाल यादव ने मुख्यमंत्री से रूबरू मुलाकात कर उन्हें इस संबंध में पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर तुरंत कलेक्टर से चर्चा भी की है। ज्ञापन में बताया गया है कि वर्तमान में सवारी मार्ग के ढाबा रोड व सराफा क्षेत्र में चौड़ीकरण कार्य प्रचलित है। आमजन को असुविधा से बचाने और शत-प्रतिशत श्रद्धालुओं को दर्शन लाभ देने के लिए सवारी को नवीन प्रस्तावित मार्ग से निकाला जाना चाहिए।

निर्माणाधीन नीलकंठ महादेव मंदिर का निरीक्षण

उज्जैन। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री और जूना अखाड़ा के मुख्य संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने शनिवार को नीलगंगा स्थित जूना अखाड़ा का दौरा किया। यहां उन्होंने नीलकंठ महादेव और नील गंगा भवन स्थित सिद्ध बाबा शिवगिरी महाराज के समाधि स्थल पर पूजन-अभिषेक किया। आगामी सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने निमार्णाधीन नीलकंठ महादेव मंदिर के कार्यों का इंजीनियरों के साथ सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति जानी और संबंधित इंजीनियरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीनियर बास्केटबॉल स्पर्धा के लिए टीम घोषित

उज्जैन। मध्य प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में इंदौर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय 'अस्मिता सीनियर महिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप' के लिए उज्जैन कॉरपोरेशन एरिया बास्केटबॉल एसोसिएशन की बालिका टीम घोषित कर दी गई है। स्पर्धा में उज्जैन की टीम का नेतृत्व हर्षिता राय करेंगी। संगठन की सचिव ऋतु शर्मा ने बताया कि 12 से 15 जुलाई तक होने वाली इस चैंपियनशिप के लिए टीम में हर्षिता राय (कप्तान), समीक्षा भदौरिया, सेजल डागर, वृतिका कुरैल, तेजस्वी मांगरोले, परी मित्तल, खुशी आनंद, रिया करडवाल और अंकिता गोंदिया का चयन किया गया है। टीम की कोच मनीषा पंवार और मैनेजर प्रगति जैन होंगी।

सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय में बनेगा 50 बिस्तरी आयुष अस्पताल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन दक्षिण क्षेत्र के निवासियों और सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के छात्रों को जल्द ही एक नई स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय परिसर में 50 बिस्तरी आयुष चिकित्सालय का निर्माण किया जाएगा।

यह अस्पताल आयुर्वेद, पंचकर्म वेलनेस सेंटर, ओपीडी और आईपीडी जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा। यह प्रदेश का पहला आयुष अस्पताल होगा जो किसी विश्वविद्यालय परिसर के भीतर संचालित होगा।

इस पहल से उज्जैन दक्षिण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने अस्पताल निर्माण के लिए आयुष विभाग को लगभग दो एकड़ भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। दोनों संस्थाओं के बीच इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं।

24 घंटे मिलेगा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

कुलपति प्रो. अर्पण भारद्वाज ने बताया कि यह निर्णय मुख्यमंत्री के निर्देश और कार्य परिषद की सहमति के बाद लिया गया है। अस्पताल के निर्माण से विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले 800 से अधिक छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों और आसपास के नागरिकों को 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह प्रदेश का पहला आयुष चिकित्सालय होगा जो किसी विश्वविद्यालय परिसर के भीतर स्थापित और संचालित होगा। चिकित्सालय में आयुर्वेद, पंचकर्म वेलनेस सेंटर, ओपीडी और आईपीडी जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसमें 50 बिस्तरों की भर्ती सुविधा भी होगी, जिससे गंभीर रोगियों को भर्ती कर बेहतर उपचार प्रदान किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और कर्मचारियों को निःशुल्क ओपीडी सुविधा का लाभ मिलेगा।

आम जनता की समस्याओं को लेकर बरती जा रही घोर लापरवाही और अनियमितताओं के विरोध में

नपा परिषद बड़नगर के खिलाफ कल आंदोलन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

नगर पालिका परिषद बड़नगर द्वारा आम जनता की समस्याओं को लेकर बरती जा रही घोर लापरवाही और अनियमितताओं के विरोध में कांग्रेस संगठन 13 जुलाई 2026, सोमवार को एक बड़ा आंदोलन करने जा रहा है। ब्लॉक कांग्रेस सेवादल, शहर कांग्रेस सेवादल, ब्लॉक युवा कांग्रेस, पार्षदगण एवं समस्त कांग्रेस संगठन बड़नगर के संयुक्त तत्वाधान में दोपहर 12 बजे से पूर्व विधायक मुरली मोरवाल के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद का घेराव व विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष डॉ. चैनसिंह चौधरी भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को जनहित से जुड़ी मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

कांग्रेस संगठन ने नगर पालिका प्रशासन पर जनता को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस समय नगर पालिका में नामांतरण के मामलों में अत्यधिक विलंब किया जा रहा है, जिससे आम जनता परेशान है। इसके साथ ही शहर में यातायात की बदहाल व्यवस्था, शुद्ध पेयजल का संकट, नगर में लगाए गए लाउड स्पीकर व सीसीटीवी कैमरे विगत कई सालों से बंद पड़े हैं, वाहनों की पार्किंग की कोई सुचारू सुविधा नहीं है, जिन विकास कार्यों के टेंडर नगर पालिका में खुले हैं उन्हें दोबारा लगाया जा रहा है इनका कार्य पूर्ण कराया जाए, नदी के घाटों की साफ सफाई नहीं हो रही है, खोब दरवाजा बस स्टैंड पर बने यात्री परीक्षालय में कचरा फेंका जा रहा है वहां से गंदगी व बदबू आ रही हैं, नगर में बने बावड़ी व कुंडो की साफ सफाई नहीं हो रही है, बारिश के समय कई कालोनियों में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो रही है आम नागरिकों के घरों में पानी भर जाता हैं, नगर में मच्छरों का अधिक प्रकोप है इसे रोकने के कीटनाशकों का चितकाऊ नहीं किया जा रहा है, गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यापन करने वाले परिवारों का राशन कार्ड नहीं बन रहा है, वृद्धा पेंशन नहीं मिल रही, नालियों की नियमित सफाई नहीं हो रही है, महाराणा प्रताप चौक का सौंदर्यकरण को यथावत रहने दिया जाए,सब्जी व फल विक्रेताओं को स्थाई स्थान अलॉट करने की मांग और शहर में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती से नागरिक और व्यापारी बेहद त्रस्त हैं।

प्रशासन को जगाने के लिए घेराव

नेताओं ने कहा कि नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है और इस सोए हुए प्रशासन को जगाने के लिए ही यह घेराव और धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। विनीत संगठन ने नगर के सभी प्रबुद्ध नागरिकों, व्यापारियों और पीड़ित जनता से अपील की है कि वे सोमवार, दोपहर 12 बजे अधिक से अधिक संख्या में नगर पालिका परिषद पहुंचकर इस आंदोलन को सफल बनाएं और अपने हक की आवाज बुलंद करें।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

न्यूज ब्रीफ

रोजगार मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले उद्यमी बनें युवा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी यंग जनरेशन भारत में है। हमारा देश युवाओं का देश है। युवाओं के बलबूते ही भारत हर क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। अपनी क्षमता, दक्षता, योग्यता, जोखिम लेने का साहस, बुद्धिमता और उद्यमशीलता से यही युवा नये विकसित भारत का निर्माण करेंगे। भारत के हृदय प्रदेश, मध्यप्रदेश में 2 करोड़ से अधिक युवा हैं। राष्ट्र के नवनिर्माण में इस युवा शक्ति का समुचित उपयोग करने के लिए हम सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। युवाओं को कॅरियर मार्गदर्शन और सही दिशा देकर इन्हें हुनरमंद बनाने के लिए भोपाल के ग्लोबल स्किल पार्क में आधुनिक, इंडस्ट्री रेडी कोर्स कराकर ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

सांदीपनि विद्यालय का मॉडल नये स्वरूप में उभरा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार और अनुसंधान हो रहे हैं। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही है। जिससे बड़ी संख्या में विद्यार्थी लाभांवित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा में सांदीपनि विद्यालय का मॉडल नये स्वरूप में उभरा है, जहां बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दिये जा रहे हैं। इस बार प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा में शत-प्रतिशत बच्चों ने स्कूल में प्रवेश लिया और स्कूली शिक्षा में ड्रॉप आउट शून्य रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हिन्द रक्षक द्वारा बास्केटबाल कॉम्पलेक्स इंदौर में आयोजित पुण्योदय प्रकल्प कार्यक्रम में अपना मुख्य संबोधन दे रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ।

माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026 कार्यशाला संपन्न

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026' के अंतर्गत युवाओं के वैचारिक नेतृत्व को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'शिक्षा एवं कौशल विकास' विषयक कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह कार्यशाला मुख्यतः उच्च शिक्षा, रोजगारोन्मुखी कौशल एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में युवाओं की भूमिका पर आधारित रही। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त प्रबल सिपाहा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से पूर्व पारंपरिक रूप से केवल डिग्री को महत्व दिया जाता था। लेकिन अब नई नीति के तहत डिग्री के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल और सर्वांगीण विकास को प्रमुखता दी गई है। इससे युवा न केवल शिक्षित होंगे, बल्कि आत्मनिर्भर और रोजगारपरक भी बनेंगे।

खेल संस्कृति पर हुआ व्यापक संवाद

इंदौर। माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026 के अंतर्गत इंदौर में आयोजित स्खेल एवं स्वास्थ्य विषयक कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा फिट इंडिया अभियान, खेल अधोसंरचना, युवा मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य, खेल संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं तथा युवाओं की सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने युवाओं को विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की तथा उनके सुझाव प्राप्त किए, जिन्हें राज्य सरकार की युवा कार्ययोजना में सम्मिलित करने पर विचार किया जाएगा। कार्यशाला में मध्यप्रदेश को वर्ष 2047 तक खेलों के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लक्ष्य पर विशेष चर्चा हुई। प्रतिभागियों से खेल अधोसंरचना के विस्तार, एक जिला- एक खेल की अवधारणा, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में खेल प्रशिक्षकों की उपलब्धता, प्रतिभाओं की पहचान एवं विकास, खेल मनोविज्ञान, पारदर्शी चयन प्रक्रिया तथा स्थानीय खेल प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने संबंधी सुझाव आमंत्रित किए गए। साथ ही युवाओं की भूमिका, खेल संस्कृति के विकास, अनुशासन, टीमवर्क, नशामुक्त जीवनशैली तथा खेलों को सम्मानजनक करियर के रूप में स्थापित करने जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

विशेषज्ञों ने दिया मार्गदर्शन, युवाओं ने दिए उपयोगी सुझाव

इंदौर। माय यूथ-माय प्राइड कॉनक्लेव में आए युवाओं ने शनिवार को सशक्त और समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प लिया। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस युवा सम्मेलन में जनअभियान, संस्कृति, कला, पर्यटन, युवा संकल्प निर्माण और सामुदायिक नेतृत्व के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों ने युवाओं को उपयोगी मार्गदर्शन दिया। चर्चा के दौरान पर्यटन, संस्कृति, कला, जन अभियान तथा संकल्प निर्माण के क्षेत्र में अपने भविष्य निर्माण के लिए प्रयासरत युवाओं ने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। कार्यक्रम में डॉ. वीरेंद्र कुमार व्यास, शांतनु त्रिवेदी, शासकीय संगीत महाविद्यालय इंदौर के प्राचार्य डॉक्टर प्रकाश कडोतिया, जन अभियान परिषद इंदौर संभाग के समन्वयक अमित शाह तथा उज्जैन संभाग के शिव प्रसाद मालवीय ने संबोधित किया।

स्टार्टअप इकोसिस्टम में आएगा बड़ा बदलाव

इंदौर। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026 के अंतर्गत एमएसएमई और आईटी/स्टार्टअप कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस सत्र में विशेषज्ञों ने एकमत से कहा कि मध्य प्रदेश का तीव्र विकास और तेजी से विकसित हो रहा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर युवाओं को 'नौकरी खोजने वाले' के बजाय 'नौकरी देने वाले' के रूप में स्थापित करने के लिए पूर्णतः तैयार है। यह कार्यशाला न केवल युवाओं के नवाचारी विचारों को धरातल पर उतारने के लिए प्रेरित करने वाली रही, बल्कि स्टार्टअप की राह में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को समाप्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हुई। सत्र के दौरान विभाग द्वारा वर्ष 2027 और 2030 तक के महत्वाकांक्षी संकल्पों का खाका प्रस्तुत किया गया, जो प्रदेश में उद्यमिता की एक नई लहर का सूत्रपात करेंगे। शासन की योजना के अनुसार, वर्ष 2030 तक युवा उद्यमियों के लिए एकल खिड़की ऋण प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे 30 दिनों के भीतर ऋण स्वीकृति सुनिश्चित हो सकेगी।

महावर नगर के पार्षद योगेंद्र गेंदर की घोर उदासीनता

पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे रहवासी

पानी के लिए संघर्ष और टैंकर माफिया का साया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के अन्नपूर्णा क्षेत्र स्थित महावर नगर में क्षेत्रीय पार्षद योगेंद्र गेंदर की कार्यशैली के कारण स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जनता का आरोप है कि पार्षद न केवल अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं, बल्कि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के प्रति भी पूरी तरह उदासीन बने हुए हैं।

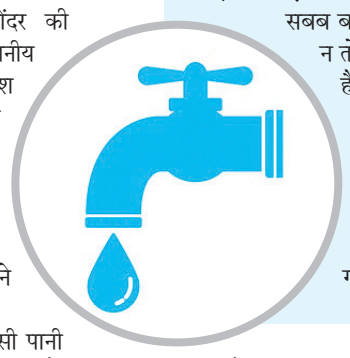

महावर नगर के रहवासी पानी की भीषण किल्लत से जूझ रहे हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि निवासियों को पीने के पानी के लिए भी दर-दर भटकना पड़ रहा है। सबसे गंभीर आरोप यह है कि पानी की सुचारू सप्लाई करने के बजाय, पार्षद योगेंद्र गेंदर और उनके सहयोगियों द्वारा टैंकरों को लेकर भी मनमानी की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, टैंकरों के माध्यम से पानी मंगवाने पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है और छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी उन्हें जलील होना पड़ता है।

सड़क का हाल: मौत का कुआं बनी गलियां

सड़क की स्थिति अत्यंत जर्जर है। सड़क के बीचों-बीच एक से डेढ़ फीट का गहरा गड्ढा लोगों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। इस गड्ढे के कारण गलियों में न तो एंबुलेंस या अन्य जरूरी वाहन आ पा रहे हैं और न ही पानी के टैंकर पहुंच पा रहे हैं। इस मार्ग पर रोजाना दुर्घटनाएं होना आम बात हो गई है, जिसमें गाड़ियों का नुकसान तो हो ही रहा है, साथ ही आम लोगों का जीवन भी खतरे में है। बच्चे अपने ही घर के बाहर खेलने से वंचित हो गए हैं।

पार्षद की कार्यशैली पर सवाल

क्षेत्र की जनता का कहना है कि पार्षद योगेंद्र गेंदर ने चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन पद मिलते ही वे जनता की पीड़ा को अनदेखा कर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि जब भी सड़क या पानी की समस्या को लेकर पार्षद से संपर्क किया जाता है, तो कोई सुनवाई नहीं होती। हैरानी की बात यह है कि सड़क बनवाने के लिए भी जनता से ही डिमांड की जा रही है, जबकि यह कार्य स्थानीय निकाय और पार्षद की प्राथमिक जिम्मेदारी है। क्षेत्र क्रमांक 4 की विधायक मालिनी गौड़ के क्षेत्र में आने वाले इस इलाके के लोग अब मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें इस दमनकारी और उपेक्षित वातावरण से मुक्ति मिल सके।

मिड-डे मिल घोटाला: नाम रसोइयों का, पैसा किसी और के खाते में

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्य प्रदेश में स्कूली बच्चों को मिड डे मील मुहैया कराने वाली प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना में बड़े स्तर पर फजीर्वाड़े की आशंका सामने आई है। योजना के पोर्टल की समीक्षा में 74 हजार से अधिक रसोइया और सहायकों के रजिस्ट्रेशन और पेमेंट में गड़बड़ियां मिली हैं। हर महीने करीब 20 करोड़ रुपए के भुगतान वाली इस योजना में रसोइयों के नाम और पते तो सही मिले, लेकिन बैंक खाते दूसरे व्यक्तियों के दर्ज पाए गए। इस खुलासे के बाद सरकार ने सभी कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं। सरकार ने 6 जुलाई को प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिए हैं कि 20 जुलाई 2026 तक सभी रसोइयों और सहायकों का ईकेवाईसी, समग्र आईडी सत्यापन और बैंक खातों का मिलान कराया जाए। इसे पोर्टल पर अपडेट करने के बाद ही मानदेय का भुगतान किया जाएगा। विकासखंड स्तर पर ब्लॉक रिसोर्स को-ऑर्डिनेटर भी रिकॉर्ड की जांच करेंगे और डुप्लीकेट या फर्जी पंजीयन मिलने पर कार्रवाई करेंगे। पूरी प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग और समीक्षा की जाएगी ताकि मानदेय भुगतान व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी रहे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले-भारत में हथियारों के बल पर डराने वालों को आखिरी सलाम मिला

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के समीप बुढ़ानिया में ह्यएक पेड़ मां के नामह्न कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए कहा कि बीएसएफ ने लाल सलाम को आखिरी सलाम में बदला है। वर्तमान के लोकतांत्रिक देश में हथियारों के बल पर अब कोई डरा नहीं सकता। ऐसे लोगों को लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास करना ही होगा। हथियारों के बल पर डराने वालों को जवाब मिल चुका है। पूरे देश में नक्सलवाद का खात्मा हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर अतीत के गौरव के कारण भी जाना जाता है। देवी अहिल्या ने जगह-जगह बावड़ियां और घाट बनवाए। हमारी सरकार ने जल संरक्षण के काम किए। पुराने तालाबों और बावड़ियों को संवारा। इस बार तीन माह तक जल संरक्षण अभियान चलाया गया। इंदौर पहाड़ों पर हरियाली की चादर ओढ़ाने के लिए आगे बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश नदियों का मायका है। मालवा अंचल को नदियों का आशीर्वाद है।

गंगा बेसिन की नदियां गंभीर, चंबल और शिप्रा इंदौर के आसपास से निकलती हैं और गंगा में जाकर मिलती हैं। हमें गर्व है कि धरती की ये बेटियां हमारे अंचल से निकलती हैं। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में अल नीनो तूफान का खतरा भी दिखाई दे रहा है, लेकिन इन सभी खतरों का मुकाबला करने के लिए पेड़ों की बड़ी भूमिका रहती है। ये ऋषि-मुनियों की तरह एक ही जगह खड़े रहकर तपस्या करते हैं और हमें फल देते हैं।

अब 17 लाख पेड़ लगाए जा रह

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रदेश की आर्थिक दिशा कैसी हो, यह इंदौर तय करता रहा है, लेकिन अब प्रदेश का पर्यावरण कैसा हो, यह भी इंदौर से तय होगा। यहां लगातार हरियाली का ध्यान रखा जा रहा है। पहले 12 लाख पौधे लगाकर विश्व कीर्तिमान बनाया और अब 17 लाख पेड़ लगाए जा रहे हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर में पहले साढ़े 15 लाख पेड़ लगाए थे। इस बार हम साढ़े 22 लाख पेड़ लगा रहे हैं। इंदौर में अब जगह बची नहीं है। हम पथरीली जमीन पर बड़े पेड़ लगा रहे हैं। इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सर्वाधिक पेड़ लगाए गए हैं।

वक्फ बोर्ड में हिंदू सदस्यों की एंट्री पर महंत रवींद्र पुरी का समर्थन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य वक्फ बोर्ड में पहली बार दो हिंदू सदस्यों की नियुक्ति के फैसले को लेकर सियासी और सामाजिक चर्चाएं तेज हैं। इस बीच अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज ने सरकार के फैसले का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि इससे वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और संपत्तियों से जुड़े विवादों को कम करने में मदद मिलेगी।

महंत रवींद्र पुरी ने वक्फ बोर्ड में हिंदू सदस्यों की नियुक्ति का विरोध करने वालों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि मुस्लिम समुदाय का कोई वर्ग इसका विरोध करता है तो यह संकीर्ण सोच को दशार्ता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हिंदू विश्वविद्यालयों और संस्कृत महाविद्यालयों में मुस्लिम प्रोफेसर वर्षों से पढ़ा रहे हैं और हिंदू समाज ने कभी इसका विरोध नहीं किया। ऐसे में वक्फ बोर्ड में हिंदू सदस्यों की भागीदारी पर आपत्ति उचित नहीं है। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश सरकार के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि 2025 के नए वक्फ कानून के तहत राज्य वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन कर दो हिंदू सदस्यों को शामिल करना सकारात्मक पहल है। उनका मानना है कि इससे सभी समुदायों के बीच विश्वास बढ़ेगा और वक्फ संपत्तियों का बेहतर और पारदर्शी प्रबंधन

चौरासी महादेव के दर्शन करने से मनुष्य संसार के समस्त सुखों को प्राप्त करता है

महाकाल के आंगन में पहली बार 84 महादेव की महिमा से रूबरू होंगे भक्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में 30 जुलाई से 7 सितंबर तक श्रावण-भाद्रपद मास के रूप में शिव भक्ति का उल्लास छाएगा। मंदिर समिति ने महापर्व की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बार दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के महाकाल दर्शन करने आने का अनुमान है।

पिछले वर्ष सावन-भादौ मास में सवा करोड़ भक्त बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस बार महाकाल दर्शन के साथ श्रद्धालुओं को उज्जैन की प्राचीन शैव परंपरा से जोड़ने की पहल भी की जा रही है। मंदिर समिति पहली बार मानसरोवर फैसिलिटी सेंटर में दर्शन मार्ग पर चौरासी महादेव पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी लगाने जा रही है। इस माध्यम से श्रद्धालुओं को चौरासी महादेव के धार्मिक, पौराणिक और सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराया जाएगा।

उन्हें बताया जाएगा कि उज्जैन की पहचान केवल महाकाल मंदिर तक सीमित नहीं है। यहां विराजित चौरासी महादेव की परंपरा भी शैव साधना का महत्वपूर्ण आधार है। श्रावण मास में चौरासी महादेव के दर्शन का विशेष महत्व है, धार्मिक मान्यता के अनुसार श्रावण मास तथा हर तीन साल में आने वाले अधिक मास में चौरासी महादेव के दर्शन करने से मनुष्य संसार के समस्त सुखों को प्राप्त करता है तथा अंत समय में चौरासी लाख योनियों के चक्र से मुक्त होकर शिव लोक को प्राप्त होता है।

मंदिर प्रशासन के अनुसार वर्ष 2025 में 11 जुलाई से 18 अगस्त तक श्रावण-भाद्रपद मास की साक्षी रही थी। इस दौरान 39 दिन में सवा करोड़ भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए थे। प्रतिदिन औसतन 3 लाख 20 हजार 512 भक्तों ने भगवान के दर्शन किए। इस बार 40 दिवसीय उत्सव में प्रतिदिन 5 लाख भक्तों के आने का अनुमान है। वर्ष 2025 में श्रावण-भाद्रपद मास के दौरान मंदिर समिति को 29 करोड़ 61 लाख रुपये की आय हुई थी।

250 रुपये लेकर गाड़ी छोड़ दी गई, न रसीद दी न ही चालान काटा

सफेद पट्टी में खड़ी थी गाड़ी... फिर क्यों उठाई? ट्रैफिक पुलिस पर बरसी युवती

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के नाम पर रोजाना वाहन उठाने की कार्रवाई तो तेजी से होती है, लेकिन कई बार यही कार्रवाई सवालों के घेरे में भी आ जाती है। ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक युवती और ट्रैफिक पुलिसकर्मी के बीच जमकर बहस होती दिखाई दे रही है। दोनों एक-दूसरे पर अपनी बात सही साबित करने की कोशिश करते नजर आते हैं।

बताया जा रहा है कि मामला सपना-संगीता चौराहे के पास का है। युवती का दावा है कि उसने अपनी गाड़ी सफेद पट्टी के भीतर निर्धारित पार्किंग क्षेत्र में खड़ी की थी। कुछ देर बाद लौटने पर वाहन मौके से गायब मिला। काफी तलाश के बाद उसे जानकारी मिली कि ट्रैफिक पुलिस वाहन उठाकर महू नाका यातायात थाने ले गई है। युवती का आरोप है कि वह शाम से रात करीब 9 बजे तक अपनी गाड़ी के लिए इधर-उधर भटकती रही। काफी मशक्कत के बाद जब वह महू नाका यातायात थाने पहुंची तो वहां मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी से उसकी तीखी नोकझोंक हो गई। वीडियो में युवती लगातार सवाल पूछती नजर आती है कि जब गाड़ी पार्किंग में खड़ी थी तो उसे किस आधार पर उठाया गया। वहीं पुलिसकर्मी का कहना है कि वाहन नो-पार्किंग क्षेत्र से उठाया गया था और कार्रवाई नियमों के तहत की गई।

वीडियो में दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ जाती है कि आसपास मौजूद लोग भी पूरा घटनाक्रम देखने लगते हैं। युवती का यह भी दावा है कि उसे किसी प्रकार का चालान या कोई रसीद नहीं दी गई और 250 रुपये लेकर उसकी गाड़ी छोड़ दी गई।

निष्कर्ष ...

नियमों का डंडा तभी असरदार होता है, जब वह सब पर बराबरी से चले। वरना कार्रवाई कम और मनमानी ज्यादा दिखाई देती है। अब देखना यह होगा कि वायरल वीडियो के बाद ट्रैफिक विभाग सफाई देता है या पूरे मामले पर चुप्पी साधे रखता है।

सिंहस्थ-2028 से पहले धरातल पर उतर रही 16500 करोड़ रुपये की सड़क और आधारभूत ढांचे की परियोजना

हाई-स्पीड कनेक्टिविटी से बदलेगी फोरलेन से जुड़े शहरों की तस्वीर

ट्विन सिटी माडल, ग्रीनफील्ड कारिडोर और मेगा हाईवे से पर्यटन, उद्योग और निवेश को मिलेगी नई रफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ-2028 से पहले ह्यमध्यप्रदेश की धर्मधानीह्न उज्जैन पूरे मालवा के सबसे बड़े हाई-स्पीड ग्रोथ कारिडोर के रूप में उभर रही है। प्रदेश सरकार उज्जैन को इंदौर, देवास, बदनावर, गरोठ से जोड़ने के बाद अब इंदौर और जावरा के लिए नया फोरलेन बनवा रही है और अगले कुछ सप्ताह में झालावाड़ रोड को फोरलेन में बदलने को भूमि पूजन करने जा रही है।

करीब 16500 करोड़ रुपये की सड़क और आधारभूत ढांचा परियोजनाओं से न केवल सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की यात्रा आसान होगी, बल्कि मालवा में पर्यटन, उद्योग, व्यापार, कृषि और निवेश को भी नई गति मिलेगी। यही वजह है कि उज्जैन अब केवल धार्मिक राजधानी नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के नए विकास कारिडोर की धुरी बनता जा रहा है। बीते कुछ वर्षों में उज्जैन को चारों दिशाओं से जोड़ने की रणनीति पर तेजी से काम हुआ है। उज्जैन-देवास फोरलेन बनने के बाद शहर को आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधी कनेक्टिविटी मिल चुकी है। बड़नगर-बदनावर फोरलेन ने पश्चिमी मालवा से संपर्क मजबूत किया है, जबकि उज्जैन-गरोठ फोरलेन अंतिम चरण में है। दूसरी ओर उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन का 70 से 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसके शुरू होने के बाद दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटेगा और यातायात का दबाव भी कम होगा। 273 करोड़ रुपये से 39 किमी लंबे उज्जैन-मक्सी रोड फोरलेन सड़क परियोजना का काम प्रगतिरत है।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच पिछले एक महीने में तीन बड़ी सड़क परियोजनाओं ने इस नेटवर्क को नई गति दी है। 20 जून 2026 को 2935 करोड़ रुपये की लागत वाले 48 किलोमीटर लंबे इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोरलेन का भूमिपूजन हुआ। यह सड़क उज्जैन के चिंतामन गणेश क्षेत्र को इंदौर के पितृ पर्वत और देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से तेज संपर्क देगी। इसके लिए 917 किसानों की भूमि अधिग्रहित कर 816 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा वितरित किया जा चुका है। इसके बाद 10 जुलाई को 98.41 किलोमीटर लंबे उज्जैन-जावरा एक्सेस कंट्रोल्ड फोरलेन परियोजना का भूमिपूजन हुआ। करीब 2029 करोड़ रुपये की यह सड़क उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, महू-नीमच कारिडोर और उत्तर भारत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सिंहस्थ के दौरान यह प्रमुख वैकल्पिक प्रवेश मार्ग बनेगी।

इंदौर, जावरा के बाद अब झालावाड़ फोरलेन के भूमिपूजन की तैयारी

उज्जैन से इंदौर और जावरा तक फोरलेन सड़क निर्माण का काम शुरू कराने के बाद अब सरकार की अगली प्राथमिकता 160 किलोमीटर लंबे उज्जैन-झालावाड़ फोरलेन का भूमिपूजन कर निर्माण शुरू कराना है। करीब 2721 करोड़ 72 लाख रुपये की इस परियोजना का टेंडर स्वीकृत हो चुका है। छह फ्लाईओवर, बड़े पुल और 115 व्हीकल अंडरपास वाले इस मेगा हाईवे से राजस्थान और हाड़ौती क्षेत्र से उज्जैन की दूरी और यात्रा समय दोनों कम होंगे। इन सड़क परियोजनाओं के साथ उज्जैन-इंदौर महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण भी दोनों शहरों को ट्विन सिटी माडल पर विकसित कर रहा है। औद्योगिक निवेश, लॉजिस्टिक्स, मेडिकल, शिक्षा, पर्यटन, आईटी पार्क, यूनिटी मॉल और अन्य शहरी परियोजनाओं के जरिए उज्जैन और इंदौर को साझा आर्थिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

फैक्ट फाइल

- 16500 करोड़ रुपये से अधिक का इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश
- 273 करोड़ रुपये से 39 किमी लंबे उज्जैन- मक्सी रोड फोरलेन सड़क परियोजना का काम प्रगतिरत
- उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन का निर्माण 80 प्रतिशत पूरा
- उज्जैन-गरोठ फोरलेन का निर्माण अंतिम चरण में
- 2935 करोड़ का इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोरलेन का पिछले महीने भूमि पूजन कर काम शुरू
- 2029 करोड़ का उज्जैन-जावरा फोरलेन का एक दिन पहले हुआ भूमि पूजन
- 2721.72 करोड़ का उज्जैन-झालावाड़ मेगा फोरलेन प्रस्तावित
- ट्विन सिटी मॉडल से उज्जैन-इंदौर का संयुक्त विकास
- पर्यटन, उद्योग, कृषि, व्यापार और निवेश को मिलेगा बड़ा लाभ

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत को अग्रणी बनाने में इनका रहा योगदान

साठ साल पहले की बात है। मैग्नेटिक इक्वेटर से करीब होने के कारण थुंबा को अंतरिक्ष शोध केंद्र के रूप में चुना गया। लेकिन इसके अधिग्रहण में एक बड़ी समस्या थी। थुंबा मछुआरों और उनके व्यापार के लिए अहम जगह थी। इसके अलावा यहां पर सेंट मेरी चर्च, फादर का घर और एक स्कूल भी था। अधिकारियों का कहना था कि अंतरिक्ष शोध के लिए लोगों को वहां से विस्थापन के लिए राजी करना असंभव है। इसके लिए एक दिन वैज्ञानिक वहां के बिशप परेरा से मिले और अपनी बात उनके सामने रखी। बिशप परेरा ने कहा, ह्यमेरा घर, बच्चों का घर, उनके माता-पिता का घर और भगवान के घर के अधिग्रहण की स्वीकृति देना मेरे लिए असंभव है? फिर भी आप लोग अगले रविवार की सुबह चर्च आइए। अगले रविवार की सुबह वैज्ञानिक विक्रम साराभाई डॉ. अब्दुल कलाम को साथ लेकर चर्च पहुंचे। प्रार्थना के बाद बिशप परेरा ने कहा, ह्यवैज्ञानिक और पुजारी मानव कल्याण के लिए होते हैं। जिस माइक से मैं बोल रहा हूं, वह विज्ञान की ही देन है। विज्ञान के कारण ही डॉक्टर हमारा इलाज कर पाते हैं। विज्ञान और तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाते हैं। यह कहकर बिशप परेरा बोले, ह्यविज्ञान और धर्म मनुष्य के शरीर और आत्मा की शांति के लिए प्रयासरत हैं। यहां आए दो वैज्ञानिक एक साल के अंदर आपका, मेरा, गॉड का घर लेना चाहते हैं। क्या हम अपना घर देने को तैयार हैं? पूरे चर्च में सन्नाटा छा गया। थोड़ी देर बाद पूरे चर्च से एक साथ आवाज आई, हां, हम तैयार हैं। इसके बाद सभी ने बिना अपना पूरा इंतजाम किए वह जगह थुंबा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन के लिए छोड़ दी। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत को अग्रणी बनाने में मछुआरों और बिशप का यह त्याग भारत के वैज्ञानिक इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।

सम्पादकीय

मोदी की सफल विदेश यात्रा

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की हाल में की गई तीन देशों इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड की यात्रा को निश्चित रूप से सफलतम व रचनात्मक कहा जायेगा क्योंकि उन्होंने तीनों देशों के साथ भारत के सम्बन्धों को प्रगाढ़ करते हुए नये आयाम दिये हैं और सुनिश्चित किया है कि हिन्द-प्रशान्त महासागरीय क्षेत्र में स्थायी शान्ति को चुनौती न दी जा सके। मोदी ने सबसे अन्त में न्यूजीलैंड की यात्रा की और वहां के प्रधानमन्त्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता में यह तय किया कि दोनों देशों के बीच मतभेद का कोई स्थान न रहे। हिन्द-प्रशान्त महासागर क्षेत्र के इन तीनों देशों में उदार लोकतान्त्रिक व्यवस्था है जिसके तहत इन तीनों देशों का निजाम चलता है जबकि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र कहा जाता है अतः बहुत स्वाभाविक है कि इन तीनों देशों के लोगों के बीच भी सम्बन्धों की प्रगाढ़ता होगी। मोदी ने इस मोर्चे पर भी नये रास्ते खोलने का प्रयास किया है। मगर सबसे बड़ी बात यह है कि हिन्द-प्रशान्त महासागरीय क्षेत्र में चीन जिस तरह अपनी सामरिक ताकत का प्रदर्शन करता रहता है उसके प्रति भी मोदी ने सर्वदा सन्तुलन बनाये रखने की अन्तर्दृष्टि का इजहार किया है।

पूर्व में चीन ऐसी हरकतें करता रहा है जिनके प्रति इस क्षेत्र के देशों में आशंका रही है। इसी वजह से भारत उस क्वाड समूह का प्रमुख सदस्य है जिसमें जापान, अमेरिका व ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। चारों देशों का यह गठबन्धन चीनी जवाब के रूप में भी देखा जाता है। इससे पहले भारत 80 के दशक तक यह मांग करता रहा था कि हिन्द महासागर क्षेत्र को अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति क्षेत्र घोषित किया जाये परन्तु 90 के दशक के शुरू से जिस प्रकार वैश्विक अर्थव्यवस्था भूमंडलीकरण हुआ उससे भू-राजनीतिक गणित बदला और विभिन्न देशों के बाजार एक- दूसरे के लिए आकर्षण का केन्द्र बनते चले गये। सोवियत संघ का विघटन होने से वैश्विक सामरिक समीकरण बदलने लगे और आर्थिक समीकरणों की वजह से राजनीति भी बदलती गई। कम्युनिस्ट चीन देखते-देखते ही पूंजीवादी कम्युनिस्ट देश बन गया और बाद में विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन बैठा। आर्थिक भूमंडलीकरण से भारत में भी परिवर्तन आया और आज यह विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत की इस ताकत का संज्ञान आज पूरा विश्व ले रहा है और इसके साथ विश्व के आधुनिकतम देश भी साझा कारोबार करने को लालायित हैं। अतः मोदी अपनी हर विदेश यात्रा में भारत के उन क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी सहयोग व विदेशी निवेश पर जोर देते हैं जिन्हें कुछ कमजोर माना जाता है या जिनमें और अधिक विस्तार की संभावना होती है। इस सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया यात्रा में उन्होंने इस देश से परमाणु ऊर्जा उत्पादन हेतु यूरेनियम ईंधन प्राप्त करने का करार किया और इंडोनेशिया को भारत की ब्रह्मोस मिसाइलें देने का समझौता किया।

महिला आरक्षण, लोकसभा सीटों का विस्तार और लोकतंत्र की कसौटी

प्रतिनिधित्व बढ़े, लेकिन क्या जनता पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ?

प्रियंका सौरभ
(दैनिक अवन्तिका)

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य उसकी समावेशी भावना है। यह व्यवस्था केवल शासन चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का संवैधानिक वादा भी है। महिलाओं की राजनीति में भागीदारी इसी वादे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या उनकी आबादी के अनुपात में बहुत कम रही है। इसलिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विचार स्वाभाविक रूप से स्वागत योग्य माना जाता है। यह केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी प्रश्न है।

लेकिन महिला आरक्षण की इस ऐतिहासिक पहल के साथ एक नई बहस भी जन्म ले चुकी है। क्या महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के लिए लोकसभा की कुल सीटों में भारी वृद्धि आवश्यक है? क्या मौजूदा 543 सीटों के भीतर ही यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती? यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक, प्रशासनिक और संवैधानिक दृष्टि से भी गंभीर है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण और लोकसभा सीटों की संभावित वृद्धि दो अलग-अलग विषय हैं। महिला आरक्षण का संबंध निर्वाचित सीटों के आरक्षण से है, जबकि लोकसभा की सीटों का विस्तार भविष्य के परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जुड़ा हुआ विषय है। फिर भी आम नागरिक के मन में यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि यदि आरक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना है, तो क्या इसके लिए संसद का आकार बढ़ाना अनिवार्य है?

लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल अधिक सांसद होना नहीं है। लोकतंत्र की सफलता इस बात से मापी जाती है कि जनप्रतिनिधि कितने उत्तरदायी हैं, संसद में कितनी गंभीर बहस होती है, कानून कितनी गुणवत्ता से बनते हैं और जनता की समस्याओं का समाधान कितना प्रभावी ढंग से होता है। यदि केवल संख्या बढ़ाने से लोकतंत्र मजबूत होता, तो दुनिया के सबसे बड़े संसद वाले देश स्वतः सबसे बेहतर लोकतंत्र भी होते। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है।

भारत में आज भी लाखों लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, कृषि संकट और आधारभूत सुविधाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में यदि संसद की संख्या बढ़ती है, तो जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे शासन अधिक प्रभावी होगा या केवल सरकारी खर्च बढ़ेगा? प्रत्येक सांसद के साथ वेतन, कार्यालय, कर्मचारी, आवास, यात्रा, सुरक्षा, संसदीय संसाधन और प्रशासनिक ढांचे का विस्तार भी जुड़ा होता है। इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वित्तीय निर्णय भी है।

हालांकि इस विषय पर यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि अक्सर सार्वजनिक चर्चा में सांसदों के वेतन और सरकारी खर्च के बारे में कई दावे किए जाते हैं, जिनके वास्तविक आंकड़े अलग हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आर्थिक तर्क को प्रमाणित सरकारी आँकड़ों के आधार पर ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक विमर्श तथ्यों पर आधारित होना चाहिए, अतिशयोक्ति पर नहीं। महिला आरक्षण के समर्थकों का तर्क है कि बिना संवैधानिक गारंटी के राजनीतिक दल महिलाओं को पर्याप्त टिकट नहीं देंगे। पिछले सात दशकों का अनुभव भी यही बताता है कि अधिकांश दल चुनावों में महिलाओं को सीमित अवसर देते रहे हैं। इसलिए आरक्षण आवश्यक है। यह तर्क मजबूत और ऐतिहासिक अनुभव पर आधारित है।

लेकिन दूसरी ओर एक चिंता यह भी व्यक्त की जाती है कि क्या आरक्षण का लाभ वास्तव में समाज के अंतिम पायदान की महिलाओं तक पहुंचेगा? भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना आज भी अत्यधिक संसाधन-आधारित प्रक्रिया है। ऐसे में संभावना रहती है कि टिकट वितरण में राजनीतिक परिवारों, प्रभावशाली नेताओं, आर्थिक रूप से सक्षम उम्मीदवारों अथवा पहले से प्रसिद्ध व्यक्तियों को प्राथमिकता मिले। यदि ऐसा होता है, तो ग्रामीण, गरीब, किसान, मजदूर और मध्यमवर्गीय महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाएगा।

यह चुनौती केवल महिला आरक्षण की नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की समग्र संरचना की है। जब तक राजनीतिक दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व के अवसर नहीं देंगे, तब तक केवल संवैधानिक आरक्षण से अपेक्षित परिवर्तन सीमित रह सकता है। वास्तविक महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल संसद तक पहुँचाना नहीं, बल्कि निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति देना भी है। एक और महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना से जुड़ा है। लगभग सभी दल महिला सम्मान और महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, लेकिन टिकट वितरण, संगठनात्मक पदों और शीर्ष नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित दिखाई देती है। यदि राजनीतिक दल स्वयं अपनी कार्यप्रणाली में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएँ, तो लोकतांत्रिक संस्कृति अधिक मजबूत होगी।

लोकसभा की सीटों में संभावित वृद्धि का एक दूसरा आयाम संघीय संतुलन भी है। परिसीमन के बाद जनसंख्या के आधार पर राज्यों के प्रतिनिधित्व में परिवर्तन हो सकता है। इससे विभिन्न राज्यों के बीच राजनीतिक शक्ति का संतुलन प्रभावित होने की संभावना पर भी विशेषज्ञ चर्चा करते रहे हैं। इसलिए यह केवल संसद की संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि भारतीय संघीय व्यवस्था का भी विषय है। ऐसे निर्णय व्यापक राष्ट्रीय सहमति और गंभीर विमर्श के आधार पर ही लिए जाने चाहिए। भारतीय लोकतंत्र की एक और चुनौती है–जनप्रतिनिधियों के प्रति जनता का घटता विश्वास। संसद में व्यवधान, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप, विधेयकों पर सीमित चर्चा और चुनावी राजनीति का बढ़ता प्रभाव लोगों के मन में यह प्रश्न पैदा करता है कि क्या लोकतांत्रिक संस्थाएँ अपनी सर्वोत्तम क्षमता से काम कर रही हैं? यदि जनता पहले से ही प्रतिनिधियों की जवाबदेही पर प्रश्न उठा रही है, तो संख्या बढ़ाने से पहले जवाबदेही बढ़ाने पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। लोकतंत्र में गुणवत्ता, संख्या से अधिक महत्वपूर्ण होती है। यदि संसद की कार्यवाही अधिक प्रभावी हो, संसदीय समितियाँ बेहतर ढंग से काम करें, सांसद अपने क्षेत्रों में अधिक सक्रिय रहें और कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बने, तो जनता का विश्वास स्वतः बढ़ेगा। केवल अधिक सांसद होने से लोकतंत्र अधिक उत्तरदायी नहीं हो जाता।

कोहरा

शाम का कोहरा चारों तरफ अपनी चादर पसार चुका था और रेलवे स्टेशन के किनारे बने चाय के टिन शेड के नीचे लटकती मद्धम बत्ती की रोशनी में सुखदेव बाबा की परछाई किसी ढहते हुए स्तूप की तरह डगमगा रही थी। उनके चेहरे की गहरी झुर्रियों में केवल वक्त की मार नहीं, बल्कि एक रूह कंपा देने वाली टीस और गहरा सन्नाटा छिपा था, जैसे किसी ने उनकी सांसों के भीतर का सब कुछ लूट लिया हो। चाय की दुकान के एक कोने में बेंच पर बैठा मैं उनकी थमी हुई धड़कनों को महसूस कर रहा था, जहां हवा में केतली की भाप कम और किसी आने वाले तूफान की खामोशी ज्यादा मंडरा रही थी। सुखदेव बाबा ने जब अपनी कांपती और सर्द उंगलियों से मेरी कलाई छुई, तो ऐसा लगा मानो कोई उखड़ा हुआ दरख्त गिरने से पहले आखिरी सहारा ढूंढ रहा हो। उनकी आंखों का पानी कब का पथरा चुका था, लेकिन उनके भीतर उमड़ता हुआ रोना सीधे सुनने वाले के कलेजे को चीरता हुआ बाहर आ रहा था। वह रह-रहकर सूनी रेल पटरियों की तरफ देखते और फिर अपने दोनों हाथों को पेट पर ऐसे भींच लेते, जैसे कोई भूखा इंसान अपने भीतर उठने वाले दर्द को दबाने की नाकाम कोशिश कर रहा हो। इस मंजर को देखकर वहां मौजूद हर मुसाफिर का दिल मसोस उठा था, क्योंकि सुखदेव बाबा जैसे धीर-गंभीर बुजुर्ग का इस तरह बिखर जाना किसी मजबूत चट्टान के जमींदोज होने जैसा था। का बताई बबुआ, भीतर जौन आरी चल रही है, ऊ सिर्फ हम जानते हैं या फिर ऊपर बैठा वह घटघटवासी जानता है। सुखदेव बाबा की आवाज में पूस की ठंडी हवा जैसी सिहरन और बेबसी दोनों एक साथ गुथी हुई थी। दुनिया को लगता है कि हम सिर्फ इस अनाथालय की जमीन छिन जाने या कुछ रुपयों की हेराफेरी पर आंसू बहा रहे हैं, पर सच तो यह है कि उन्होंने हमारी रगों से जीने की आखिरी उम्मीद तक निचोड़ ली है।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 13 जुलाई 2026 सोमवार
सूर्योदय - 05:43 सूर्यास्त 19:12
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 07:30 से 09:00 तक
तिथि - चतुर्दशी 18:50 उपरांत अमावस्या
नक्षत्र - आर्द्रा 02:51 उपरांत पुनर्वसु
योग - ध्रुव 16:00 उपरांत व्याघात
करण - विष्टि
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मिथुन में रहेगा।
मुस्लिम मास - मोहर्रम मास 27 तारिख

मेष- रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी।

वृषभ- यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। कार्यभार व अधिकार में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन- समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क- आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी।

सिंह- कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। प्रमाद न करें।

कन्या- जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला- दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा।

वृश्चिक- यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

धनु- कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें।

मकर- जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

कुंभ- कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे।

मीन- लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

समसामयिक

AI से खबर बन सकती हैं, पत्रकार नहीं

अर्पित हरदेनिया
दैनिक अवन्तिका

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसका आधार केवल सूचना देना नहीं, बल्कि सत्य को सामने लाना, सत्ता से सवाल करना और समाज के प्रति जवाबदेही निभाना है। समय के साथ पत्रकारिता के साधन बदले हैं, लेकिन उसके मूल सिद्धांत नहीं। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) ने समाचार लेखन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। कुछ शब्द लिखिए, एक फोटो जोड़िए और कुछ ही सेकंड में पूरी खबर तैयार। यही सुविधा आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती भी बनती जा रही है। सोशल मीडिया के इस दौर में हर दिन हजारों पोस्ट समाचार के नाम पर साझा की जाती हैं। किसी अधिकारी, जनप्रतिनिधि या सामाजिक व्यक्ति का फोटो लगाया जाता है, उसके नीचे दो-चार पंक्तियां लिखी जाती हैं और फिर अकसे उसे आकर्षक भाषा में तैयार कर ब्रेकिंग न्यूज बना दिया जाता है। पढ़ने वाले को वह खबर जैसी दिखाई देती है। लेकिन उसके पीछे न तथ्य जांच होती है, न घटनास्थल की जानकारी और न ही संपादकीय जिम्मेदारी।

यहीं से पत्रकारिता और कंटेंट बनाने का अंतर शुरू होता है। AI भाषा लिख सकता है, वाक्य सजा सकता है और शीर्षक बना सकता है, लेकिन वह यह तय नहीं कर सकता कि जानकारी सही है या गलत। वह किसी अधिकारी से सवाल नहीं पूछ सकता, किसी पीड़ित की बात नहीं सुन सकता और न ही घटनास्थल पर जाकर सच का पता लगा सकता है। यह काम आज भी केवल एक जिम्मेदार पत्रकार ही कर सकता है।

एक समय था जब संवाददाता हाथ से समाचार लिखते थे। डाक के जरिए अखबार के दफ्तर भेजते थे। कई क्षेत्रों में बसों से खबरें पहुंचाई जाती थीं। फिर फैक्स आया, ई-मेल आया और अब मोबाइल से पलभर में समाचार भेजे जा रहे हैं। तकनीक हर दौर में बदली, लेकिन एक बात कभी नहीं बदली–खबर छापने से पहले उसकी पुष्टि करना। यही पत्रकारिता की असली पहचान रही है। दुर्भाग्य से आज सोशल मीडिया की प्रतिस्पर्धा में सबसे पहले खबर डालने की होड़ मची हुई है। सत्य बाद में देखा जाता है, वायरल पहले किया जाता है। AI ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। बिना जांचे-परखे तैयार की गई सामग्री को समाचार का रूप देकर प्रसारित किया जा रहा है। कई बार इससे अफवाह फैलती है, किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है और सरकारी अधिकारियों या संस्थाओं पर अनावश्यक दबाव बनाने का प्रयास भी किया जाता है। ऐसी प्रवृत्ति पत्रकारिता नहीं, बल्कि गैर-जिम्मेदार सूचना प्रसार है।

यह भी सच है कि AI कोई दुश्मन नहीं है। जिस प्रकार कैमरा आने से पत्रकारिता खत्म नहीं हुई, उसी तरह अक आने से भी नहीं होगी। बल्कि सही हाथों में यह एक उपयोगी साधन है। अनुभवी पत्रकार AI का उपयोग भाषा सुधारने, जानकारी व्यवस्थित करने या प्रारूप तैयार करने के लिए कर सकते हैं। लेकिन अंतिम निर्णय, तथ्य जांच और जवाबदेही हमेशा इंसान की ही रहेगी।

आज जरूरत इस बात की है कि पत्रकारिता और सोशल मीडिया कंटेंट के बीच की रेखा स्पष्ट रहे। हर मोबाइल चलाने वाला पत्रकार नहीं होता और हर AI से लिखी गई पोस्ट समाचार नहीं होती। पत्रकारिता की पहचान किसी प्रेस कार्ड, फेसबुक पेज या अकसे नहीं होती, बल्कि सत्य के प्रति ईमानदारी, तथ्यों की पुष्टि और जनता के विश्वास से होती है। तकनीक बदलती रहेगी, नए उपकरण आते रहेंगे, लेकिन पत्रकारिता का धर्म नहीं बदलना चाहिए। AI खबर का मसौदा तैयार कर सकता है, पर सच की तलाश नहीं कर सकता। वह शब्द लिख सकता है, लेकिन संवेदनाएं नहीं समझ सकता। इसलिए यह याद रखना होगा कि AI खबर लिख सकता है, लेकिन पत्रकारिता नहीं कर सकता। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की मजबूती आधुनिक तकनीक से नहीं, बल्कि सच्चाई, निष्पक्षता और जिम्मेदारी से तय होगी। यही पत्रकारिता की असली पहचान है और आगे भी रहेगी।

नशाखोरों पर कानून का शिकंजा -भारत सरकार का नीतिगत प्रहार

किशन सनमुखदास
(दैनिक अवन्तिका)

वैश्विक स्तरपर दवा और मादक पदार्थों के बीच की धुंधली होती लकीर वर्तमान समय में वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक अभूतपूर्व चुनौती बन चुकी है। पारंपरिक रूप से समाज जिन रसायनों को चिकित्सा,शारीरिक रिकवरी और उपचार का माध्यम मानता आया है,आज वही रसायन एक छिपे हुए वैश्विक महामारी के रूप में युवा पीढ़ी को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। इस गंभीर संकट को भांपते हुए,भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक युगांतकारी कदम उठाते हुए औषधि नियम,1945 में ऐतिहासिक संशोधन किया है।भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन 8 जुलाई 2026 (जी.एस.आर.607(ई) को जारी किया गया,आधिकारिक गजट में प्रकाशित होने के बाद, इन नए सख्त नियमों को देश भर में पूरी तरह प्रभावी होने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। इस प्रकार, दवा निमार्ताओं और फार्मेसियों के लिए यह संशोधन जनवरी 2027 से अनिवार्य रूप से लागू माना जाएगा ताकि तब तक उद्योग जगत पैकेजिंग और फॉर्मूलेशन में आवश्यक बदलाव कर सके इस नए कानून के तहत अब ऐसी सभी ओरल लिक्विड (तरल) दवाएं, जिनमें एथिल अल्कोहल की मात्रा 12 प्रतिशत वी /वी से अधिक है और जिनकी पैकिंग 30 मिलीलीटर से बड़ी है,उन्हें पूरी तरह से नियंत्रित करते हुए शेड्यूल एच1 के दायरे में ला दिया गया है। इस कठोर विनियामक हस्तक्षेप का प्राथमिक और मूल उद्देश्य देश में कफ सिरप, टॉनिक, पाचक द्रव्यों और अन्य सुगंधित औषधीय मिश्रणों के रूप में धड़ल्ले से किए जा रहे गैर- चिकित्सीय नशे और फार्मास्युटिकल दुरुपयोग की जड़ों पर प्रहार करना है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते बता दूं कि नशे के आदी लोगों और विशेषकर किशोरों द्वारा कानून की कमियों का फायदा उठाकर किया जाने वाला यह दुरुपयोग केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक विनियामक चिंता का विषय रहा है। लंबे समय से कुछ विशिष्ट औषधीय फॉर्मूलेशन,जैसे कि अदरक, इलायची और पुदीने के टिंचर तथा कई पारंपरिक स्वास्थ्य टॉनिक, औषधि नियम,1945 के शेड्यूल के, के तहत लाइसेंसिंग आवश्यकताओं से पूरी तरह मुक्त थे।इस छूट कापरिणाम यह हुआ कि जिन दवाओं में अल्कोहल की सांद्रता 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक थी,वे भी बाजार में बिना किसी सख्त निगरानी के ओवर-द- काउंटर यानी बिना पर्ची के आसानी से उपलब्ध थीं। कई राज्य सरकारों द्वारा इस पर गहरी चिंता जताए जाने के बाद केंद्र सरकार ने शेड्यूल के से इस छूट को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है, जिससे अब इन दवाओं के निर्माण, भंडारण और वितरण के लिए औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत अनिवार्य रूप से लाइसेंस लेना होगा।

हम विशिष्ट विनियामक कानूनीधाराएं और दंडात्मक प्रावधानइस कानून को जमीन पर सख्ती से लागू करने के लिए सरकार ने इसे औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट ,1940 के दंडात्मक प्रावधानों से जोड़ा है। अधिनियम की धारा 18 (सी) के तहत बिना वैध निर्माण या बिक्री लाइसेंस के इन दवाओं का भंडारण या वितरण करना एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध माना जाएगा। नए संशोधनों के तहत शेड्यूल एच 1 नियमों के प्रथम उल्लंघन परः यदि कोई केमिस्ट या फार्मासिस्ट पहली बार बिना डॉक्टर के पर्चे के 12 प्रतिशत से अधिक अल्कोहल वाली दवा बेचते या बिक्री का 3 वर्ष का रिकॉर्ड न मेंटेन करते हुए पकड़ा जाता है, तो राज्य दवा नियामक प्राधिकरण द्वारा उसका लाइसेंस 15 से 30 दिनों के लिए निलंबित किया जा सकता है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6000 से 6050 विशाल, 5950 से 6000 मसूर 6000,महाराष्ट्र सफेद 7400 से 7500, महाराष्ट्र लाल 7700 से 7900, कर्नाटक 8100 से 8300 निमाड़ी, डेट तुअर 6500 से 7500 मूंग बेस्ट गर्मी, 7100 से 7300 मूंग बेस्ट बोल्ड, 7500 से 7700 मीडियम बोल्ड, 7200 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8700 से 9000, उड़द गर्मी 8000 से 8400 ग्रेविटी, क्लीन 8600 से 8900 हल्का उड़द, 4000 से 6000 काबुली डॉलर, 7000 से 8400 काबुली रशियन, 5800 बिटकी 5200 से 5300, सरसों निमाड़ी 8000 से 8200, रायडा 6800 से 7000 करंज 5000, से 5200 सोयाबीन 6800 अलसी, 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से, 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800, पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज, 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7450 से 7550, मीडियम 7650 से 7750 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

धर्म-आस्था

सलाह लेने-देने का मार्ग अनुचित नहीं होता

डॉ. बी.आर. नलवाया,
(दैनिक अवन्तिका)

हर क्षेत्र में चाहे वह सामाजिक संस्था हो, धार्मिक संस्था हो, शैक्षणिक संस्था हो, सांस्कृतिक संस्था हो, खेलकूद की संस्था हो या राजनीतिक संगठन हो इत्यादि संस्थाओं के पदाधिकारियों में वरिष्ठ व्यक्ति ही सही मार्गदर्शन देने में सक्षम होते हैं। चाहे आप उन संस्थाओं के पूर्व पदाधिकारियों से सलाह ले या ना ले परंतु उनके अनुभव अत्यंत ही उपयोगी होते हैं, क्योंकि बड़े बुजुर्ग, अभिभावक, गुरुजन, मित्र, सगे संबंधी से किसी भी शुभ अशुभ मौके पर सलाह लेने और देने की परंपरा भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से चली आ रही है। हालांकि कुछ लोग अपने आपको ज्यादा ही समझदार समझते हैं और बिना वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह के जीवन के महत्वपूर्ण फैसले कर लेते हैं। नतीजन ऐसे लोग कई बार संकट में भी फंस जाते हैं।

सलाह लेना और देना समाज में सहिष्णुता और नैतिकता विकसित करने का आध्यात्मिक मार्ग भी है। यही वजह है कि हमारे यहां अतीत से ही यह परंपरा चली आ रही है कि वरिष्ठ व्यक्ति से सलाह लेने व देने का मार्ग अनुचित नहीं होता है। यहां यह जिक्र करना भी लाजमी है कि भगवान श्रीकृष्ण की सलाह अगर दुर्योधन मान लेता तो महाभारत जैसा भयंकर युद्ध नहीं होता और कौरव वंश का विनाश नहीं होता, वही श्री कृष्ण की सलाह मानने के कारण ही पांडवों की विजय तय हुई।

किसी को सलाह देना हो तो उसकी अच्छाई-बुराई का ध्यान रखें

उपनिषद कहते हैं कि ब्रह्माजी की तीन संतानें हैं - देवता, दानव और मनुष्य। एक दिन ये तीनों ब्रह्माजी के पास पहुंचे। तीनों ने उनसे कहा कि हमें कोई उपदेश दीजिए, जिससे हमारा जीवन सफल हो जाए। ब्रह्माजी ने तीनों को द शब्द दिया। द शब्द का अर्थ देवता, दानव और मनुष्य, तीनों के लिए अलग-अलग था। सबसे पहले ब्रह्माजी देवताओं से बोले कि तुम्हारे जीवन में भोग-विलास बहुत अधिक है। इसलिए तुम्हारे लिए द का अर्थ है दमन। दमन यानी नियंत्रण। अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण करना। मनुष्यों से ब्रह्मा‌जी बोले कि मैंने तुम्हें द शब्द इसलिए दिया है कि तुम इससे दान करो। दान का अर्थ है सेवा। मनुष्य शरीर से किया जा सकने वाला सबसे अच्छा काम होता है किसी की सेवा करना। सेवा करना ही इंसानों का मुख्य धर्म है। अंत में ब्रह्माजी ने दानवों से कहा कि तुम हिंसक हो। लड़ाई-झगड़ा करना ही तुम्हारा स्वभाव है। तुम्हारे लिए द का अर्थ है दया। तुम अत्याचारी हो और जीवनभर हिंसा ही करोगे इसलिए एक बात याद रखना दूसरों पर दया करना।

सीख – ब्रह्माजी ने जो किया, वही हमें भी करना चाहिए। जब भी किसी को ज्ञान, उपदेश, समझाइश देना हो तो उस व्यक्ति के स्वभाव, आदतों और उसके मनोविज्ञान पर जरूर नजर रखें। व्यक्ति की अच्छी-बुरी आदतें, उसकी रुचि, लक्ष्य को समझें। इसके बाद ही ये दूरदर्शिता रखें कि आगे जाकर ये अपनी बुराइयों से क्या नुकसान करेगा, उस नुकसान की भरपाई किस ज्ञान से होगी। वैसा ही ज्ञान, उपदेश या सलाह देनी चाहिए।

सलाह के संबंध में यहां एक ओर प्रसंग अत्यंत महत्वपूर्ण है कि- यूनान के एक प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात भ्रमण करते हुए एक शहर में पहुंचे। वहां उनकी एक वृद्ध व्यक्ति से भेंट हुई वे दोनों काफी घुलमिल गए। सुकरात ने उनके व्यक्तिगत जीवन में काफी रूचि ली और उनसे काफी खुलकर बातें की। संतोष व्यक्त करते हुए सुकरात ने कहा आप का गत जीवन तो बड़े शानदार ढंग से बीता है लेकिन इस वृद्धावस्था में आपको कौन-कौन से पापड़ बेलने पड़ रहे हैं यह तो बतलाइए। वृद्ध ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं अपने पारिवारिक उत्तरदायित्व को अपने समर्थ पुत्रों को देकर निश्चिंत हूं। वह जो कहते हैं वह मैं कर देता हूं, जो खिलाते हैं वह खा लेता हूं, और पौत्र-पौत्रियों के साथ हंसता खेलता रहता हूं। बच्चे कुछ भूल भी करते हैं फिर भी मैं चुप रहता हूं मैं उनके कार्य में बाधक नहीं बनता, लेकिन जब कभी भी वे मुझसे परामर्श लेने आते हैं तो मैं अपने जीवन के सारे अनुभवो को उनके सामने रख देता हूं और की गई भूलों से उत्पन्न दुष्परिणामों की ओर उन्हें सचेत कर देता हूं। वे मेरी सलाह पर कितना चलते हैं यह देखना मेरा काम नहीं है। वह मेरे निदेशों पर चले यह मेरा आग्रह नहीं होता।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1950-2925, धनिया- 10300-12762, चना देशी- 5541-6301, डालर चना- 3850-7310, मटर- 2622-3430, मक्का- 2415, मूंग- 6810, सोयाबीन- 2200-8000, तिल्ली- 10491-11001, सरसो- 6886, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,42,700 रवा- 1,42,500 चांदी- टंच- 2,27,000 पाट- 2,26,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला अध्यक्ष चयन को लेकर रायशुमारी, दावेदारों से लिए बायोडाटा

शुजालपुर। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के शाजापुर जिला प्रभारी निजामुद्दीन मंसूरी शनिवार को शुजालपुर पहुंचे, जहां कार्यकताओं ने उनका फूलमालाओं से स्वागत किया। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों से बायोडाटा लिए तथा स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं से वन टू वन चर्चा कर रायशुमारी की। मंसूरी ने कहा कि अल्पसंख्यक विभाग को मजबूत कर पार्टी संगठन को सशक्त बनाना प्राथमिकता है। रायशुमारी के आधार पर रिपोर्ट शीर्ष नेतृत्व को सौंपी जाएगी और हाईकमान का निर्णय सर्वमान्य होगा। इस दौरान वरिष्ठ नेता फकीर मोहम्मद, आशिक हुसैन बोहरा और इरशाद खान जैदी भी मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष हसन रजा कुरैशी ने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी भंग होने के बाद नए सिरे से जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष मंगल सिंह राठौड़, शहर अध्यक्ष रईस पठान, प्रदेश सचिव गजेंद्र सिसोदिया, कार्यकारी जिला अध्यक्ष अशोक परमार, कांग्रेस नेता सागर परमार, मंडलम अध्यक्ष एवं पार्षद बल्ला सोनी, पार्षद राजू दरबार, हाजी सिद्दीक पठान, विष्णु शर्मा, शिव परमार,गोलू शेख, बाबुल पठान, सोनू मास सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाल संसद बैठक में बच्चों को बताया अधिकार नेतृत्व और सहभागिता का महत्व

शुजालपुर। ग्राम ढाबला घोसी में बाल संसद विषय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी उज्जैन के चीफ कोऑर्डिनेटर संतोष मनोरिया एवं कम्युनिटी एजुकेटर अमरसिंह राजपूत ने बच्चों को बाल संसद की भूमिका और उनके अधिकारों की जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि प्रत्येक बच्चे को जीवन, विकास, सहभागिता और सुरक्षा के चार मूल अधिकार प्राप्त हैं। इन अधिकारों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि यदि ये अधिकार नहीं होते तो बाल श्रम, बाल विवाह और शोषण जैसी समस्याएं बढ़ सकती थीं। बैठक में बच्चों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में कम्युनिटी एजुकेटर अमरसिंह राजपूत ने सभी बालक-बालिकाओं का आभार व्यक्त किया। बैठक में बड़ी संख्या में बच्चों ने सहभागिता की।

स्व. गेहलोत की स्मृति में 30 जुलाई को निःशुल्क नेत्र शिविर

मोतियाबिंद मरीजों का चयन कर बस से सेवा सदन अस्पताल ले जाया जाएगा

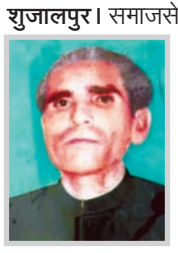

शुजालपुर। समाजसेवी एवं खाटू श्याम सेना ट्रस्ट शाजापुर के जिला अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार गेहलोत के पूज्य पिता स्वर्गीय देवेंद्र कुमार गेहलोत की स्मृति में 30 जुलाई गुरुवार को निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, संत हिरदाराम नगर एवं सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र, शुजालपुर मंडी के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र के प्रभारी खुशीराम आचार्य ने बताया कि शिविर सरकारी अस्पताल के सामने स्थित सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र शुजालपुर मंडी में आयोजित होगा। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी तथा मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया जाएगा। चयनित मरीजों को सेवा सदन की बस से संत हिरदाराम नगर स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ले जाया जाएगा, जहां उनका निःशुल्क ऑपरेशन एवं आवश्यक उपचार किया जाएगा।

जल संरक्षण को लेकर प्रशासन सजग, जिपं सीईओ ने किया अमृत सरोवरों का सघन निरीक्षण

शाजापुर। जिले में जल संरक्षण की मुहिम को सफल बनाने और ग्रामीण विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने के लिए प्रशासनिक अधिकारी लगातार मैदानी स्तर पर सक्रिय हैं। इसी कड़ी में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनीषा वास्कले ने जिले के विभिन्न ग्रामीण अंचलों का दौरा कर महत्वपूर्ण जल संरचनाओं का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, जिपं सीईओ वास्कले ने ग्राम पंचायत उमरिया दया, ग्राम जावदी और ग्राम पंचायत सगड़िया का सघन भ्रमण किया। यहां पहुंचकर उन्होंने शासन की महत्वकांक्षी योजना के तहत बनाए गए अमृत सरोवरों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सरोवरों की वर्तमान स्थिति, जल भराव की क्षमता और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को परखा तथा संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के इस अवसर पर जनपद पंचायत सीईओ, सहायक परियोजना अधिकारी (एपीओ) और संबंधित क्षेत्र के उपयंत्री भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मौसम विभाग का सर्वे उपकरण आसमान से गिरा, मदाना गांव के खेत में मिला

कुछ देर गाँव में रही खलबली, किसान ने पुलिस को सौंपा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ अकोदिया

शाजापुर जिले के अकोदिया इलाके में मौसम विभाग की एक मशीन (सर्वेक्षण उपकरण) दोपहर 2 बजे खराबी आने की वजह से आसमान से नीचे गिर गई। यह मशीन मदाना गांव के रहने वाले किसान कुमेर सिंह सिसोदिया के खेत में आकर गिरी, जिसे देखकर कुछ देर के लिए पूरे इलाके में खलबली मच गई।

जानकारी के मुताबिक, यह मशीन मौसम की जानकारी और आंकड़े इकट्ठा करने के लिए आसमान में छोड़ी गई थी। उड़ते समय इसमें कोई तकनीकी खराबी आ गई, जिससे इसका बैलेंस बिगड़ गया और यह सीधे खेत में आ गिरी।

शुरूआत में तो गांव के लोगों ने इसे कोई ड्रोन समझा। चूंकि गांव में ऐसी चीज पहली बार गिरी थी, इसलिए इसे देखने के लिए खेत पर भारी भीड़ जमा हो गई।

खेत पर मौजूद किसान कुमेर सिंह के परिवार ने इस मशीन को सुरक्षित अपने पास रखा। इसके बाद उनके बेटे शैलेंद्र प्रताप सिंह सिसोदिया और दोस्त जितेंद्र सिंह सिसोदिया ने जिम्मेदारी दिखाते हुए मशीन को तुरंत सलसलाई थाने ले जाकर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मशीन को संभाल कर रख लिया है।

भोपाल मौसम विभाग ने छोड़ी थी मशीन

थाने के प्रधान आरक्षक गोविंद सिसोदिया ने बताया कि यह मशीन भोपाल मौसम विभाग की है, जिसे मौसम की जांच के लिए आसमान में छोड़ा गया था। तकनीकी खराबी या बैटरी खत्म होने की वजह से यह इस इलाके में गिर गई। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे 10 से 15 यंत्र एक साथ हवा में छोड़े जाते हैं। पुलिस ने मौसम विभाग को इस बात की खबर दे दी है। मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वे दो-चार दिन में आकर अपनी मशीन ले जाएंगे। पुलिस ने साफ किया है कि नियमों के मुताबिक इस मशीन को विभाग के अफसरों को सौंप दिया जाएगा।

शांतिनगर क्षेत्र में दिनदहाड़े युवक पर तलवार से

घर के बाहर युवक पर ताबड़तोड़ हमला कर कुख्यात आरोपी बदमाश फरार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास के शांति नगर क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े एक युवक पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया गया। पुरानी रंजिश के चलते हुई इस वारदात में 38 वर्षीय नितेश गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया। घायल का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। इसका वीडियो भी सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब 2 बजे की है। नितेश अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान दुर्गेश वहां पहुंचा और बिना किसी बातचीत के तलवार से लगातार कई वार कर दिए।

अचानक हुए हमले से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया।

कोतवाली थाना प्रभारी श्यामचंद्र शर्मा ने बताया कि आरोपी दुर्गेश पुलिस की गुंडा सूची में शामिल है। उसके खिलाफ हत्या, मारपीट, धमकी और अन्य गंभीर अपराधों सहित 23 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग स्थानों पर दबिश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश लगातार की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है। अधिकारियों का दावा है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

हमले में नितेश गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमले के बाद की स्थिति दिखाई दे रही है। घायल नितेश ने पुलिस को बताया कि आरोपी दुर्गेश से उसकी पुरानी रंजिश चल रही थी। उसी विवाद के चलते उसने तलवार से हमला किया। पुलिस इस एंगल सहित अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

नाबालिग भतीजी के सामने चाचा ने की अश्लील हरकत

पीडिता ने मोबाइल से घटना का वीडियो भी

शुजालपुर। क्षेत्र के ग्राम श्यामपुर में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। एक 14 वर्षीय किशोरी ने अपने सगे चाचा पर अश्लील हरकत करने, अभद्र भाषा का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम श्यामपुर निवासी 14 वर्षीय किशोरी ने अपने माता-पिता के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। किशोरी ने बताया कि 5 जुलाई की दोपहर वह घर के बाहर खड़ी थी। उस समय उसके माता-पिता खेत पर काम करने गए थे, जबकि भाई-बहन मंदिर के पास खेल रहे थे। इसी दौरान उसका चाचा जितेंद्र मीणा घर के सामने आया और कथित रूप से अश्लील हरकत करते हुए उसे अपने पास बुलाने लगा। किशोरी डरकर तुरंत घर के अंदर चली गई और शाम को माता-पिता के लौटने पर पूरी घटना की जानकारी दी। परिजनों के अनुसार घटना के बाद आरोपी घर पर नहीं मिला। इसके बाद 10 जुलाई की शाम आरोपी दोबारा घर के सामने आया। इस दौरान किशोरी के पिता ने उससे पहली घटना को लेकर सवाल किया तो आरोपी ने फि र कथित रूप से अश्लील हरकत की, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। किशोरी ने अपने पिता के मोबाइल से इस घटना का वीडियो भी बना लिया, जिसे पुलिस को उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

योगिनी एकादशी पर खाटू श्याम धाम में आस्था का सैलाब

श्रृंगार, छप्पन भोग और महाआरती हुई, गूंजते रहे श्याम नाम के जयघोष

देवास। देवास में अमृत नगर स्थित खाटू श्याम धाम में योगिनी एकादशी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही बाबा श्याम के दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर परिसर 'हारे के सहारे, खाटू वाले श्याम हमारे' और 'जय श्री श्याम' के जयघोष से भक्तिमय बना रहा। योगिनी एकादशी के पावन अवसर पर बाबा खाटू श्याम का भव्य श्रृंगार किया गया। फूलों से सजे दरबार में श्रद्धालुओं ने शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर बाबा को छप्पन व्यंजनों का भोग भी अर्पित किया गया। मंदिर में आयोजित ज्योत दर्शन और भोग आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ आरती में भाग लेकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। शाम को आयोजित भजन संध्या में भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। श्याम भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे और पूरा मंदिर परिसर श्याम नाम के जयघोष से गूंजता रहा। मंदिर के पुजारी श्याम शर्मा ने बताया कि महाआरती आयोजन का मुख्य आकर्षण रही। हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ बाबा श्याम की आरती कर आस्था का अद्भुत नजारा प्रस्तुत किया। दीपों की रोशनी, घंटियों की गूंज और जयघोष के बीच पूरा खाटू श्याम धाम भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

स्थापना दिवस पर किया पौधरोपण छात्राओं को बांटे कंपास बॉक्स

आगर मालवा। भारत विकास परिषद, शाखा आगर मालवा ने अपने 64वें स्थापना दिवस के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हॉस्टल में पौधरोपण किया। साथ ही वंचित वर्ग की 116 छात्राओं को निशुल्क कंपास बॉक्स वितरित किए। कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक वंदे मातरम के साथ हुई, जिसमें छात्राओं और परिषद के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष डॉ. विवेक मालानी ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए भारत विकास परिषद की 64 वर्षों की सेवा, संस्कार, सहयोग और समर्पण की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से शिक्षा, सेवा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इसके बाद छात्राओं को कंपास बॉक्स वितरित किए गए और विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सामाजिक जिम्मेदारी है और ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं।

जान से मारने की धमकी और दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

एक साल पहले भी बनाए थे संबंध दूसरी बार के लिए बना रहा था दबाव

शाजापुर। शाजापुर जिले की सुनेरा थाना पुलिस ने महिला संबंधी अपराध में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक दुष्कर्म के आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोपहर करीब 3 बजे इस कार्रवाई का खुलासा किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला के निर्देश पर महिला संबंधी अपराधों के शीघ्र निराकरण के अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी अंकित मुकाती ने बताया कि पीड़िता ने 10 जुलाई 2026 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने उसे बुरी नीयत से पकड़ा, अश्लील हरकतें कीं और गलत काम करने का दबाव बनाया। विवेचना के दौरान पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व भी आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। आरोपी ने घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। जांच के बाद गठित पुलिस टीम ने आरोपी छोटू उर्फ वीरेंद्र सिंह, निवासी भिलवाड़िया को 24 घंटे के भीतर उसके गांव भिलवाड़िया से गिरफ्तार कर लिया।

गोपाल बने नपा पेंशनर संघ के जिला अध्यक्ष

आगर मालवा। आगर मालवोनगर पालिका आगर मालवा से सेवानिवृत्त कर्मचारी गोपाल भावसार को मध्यप्रदेश नगरपालिका निगम एवं नगरपालिका पेंशनर संघ का आगर जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनका मनोनयन प्रदेश अध्यक्ष लीलाधर मनावरे द्वारा किया गया। गोपाल भावसार के जिला अध्यक्ष बनने पर नगरपालिका के सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पेंशनर संघ के सदस्यों में हर्ष का माहौल है। साथियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पेंशनरों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

जेसीबी से मुरम फैलाकर प्लॉट पर कब्जे का प्रयास

पुलिस ने तीन लोगों के विरूद्ध मामला दर्ज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

शहर के फ्रीगंज क्षेत्र स्थित मालवीय धर्मशाला के पास निर्माणाधीन मकान के प्लॉट पर कथित कब्जे के प्रयास का विरोध करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। पीड़ित का आरोप है कि तीन लोग जेसीबी मशीन लेकर पहुंचे और खाली जमीन पर जबरन कब्जा कर लोहे के एंगल व तार लगाने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की, एंगल लेकर हमला करने दौड़े तथा जान से मारने की धमकी दी। वहीं जेसीबी चलाकर निर्माण कार्य के लिए रखी मुरम भी फैला दी, जिससे हजारों रुपये का नुकसान हुआ।

पुलिस के अनुसार फरियादी रघु परमार पिता लखनलाल परमार निवासी ग्राम पोचानेर हाल निवासी एमजी रोड शुजालपुर मंडी ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को सुबह करीब 11 बजे वह अपने निमार्णाधीन मकान पर पहुंचे थे। इसी दौरान राकेश मीणा निवासी दुबड़ी, रामबाबू मीणा निवासी देवलाखेड़ी तथा गोविंद मीणा निवासी निचलापुरा जेसीबी लेकर पहुंचे और प्लॉट की खाली जगह पर कब्जा करने का प्रयास करने लगे।

फरियादी के अनुसार जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने अभद्र गालियां दीं और लोहे के एंगल से हमला करने के लिए दौड़ पड़े। मौके पर मौजूद उनके भाई सागर सिंह परमार, चौकीदार बद्रीप्रसाद मीणा तथा अजय उर्फ बंटी देशमुख ने बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने जेसीबी से निर्माण कार्य के लिए रखी मुरम को फैला दिया, जिससे करीब 8 से 10 हजार रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया।

एबीवीपी के 78वें स्थापना दिवस पर

267 छात्र-छात्राओं ने 3 किमी मैराथन दौड़ में लिया हिस्सा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 78वें स्थापना दिवस और राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर रविवार सुबह शाजापुर में 3 किलोमीटर की मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। गांधी हॉल से शुरू हुई दौड़ में 267 छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

प्रमुख मार्गों से निकली मैराथन

मैराथन गांधी हॉल से शुरू होकर ट्रैफिक प्वाइंट, नई सड़क, आजाद चौक, छोटा चौक और सोमवारिया मार्ग से होती हुई पुनः गांधी हॉल पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

छात्र वर्ग में देवेंद्र सेन ने पहला, प्रदीप पटेल ने दूसरा और कुलदीप गुर्जर ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं छात्रा वर्ग में मेघा नायक प्रथम, कोमल राजावत द्वितीय और आरती मंडलोई तृतीय रहीं। सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

युवाओं को खेलों से जुड़ने का संदेश

कार्यक्रम में खेलो भारत के प्रांत संयोजक अमन कुमार सिंह और देवास विभाग संयोजक दक्ष यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। नगर अध्यक्ष अशोक सलोकिया ने स्वागत भाषण दिया। अमन कुमार सिंह ने युवाओं से मोबाइल की बजाय खेल मैदानों से जुड़ने का आह्वान किया। वहीं दक्ष यादव ने एबीवीपी के 78 वर्षों के इतिहास और राष्ट्र निर्माण में संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंत में नगर मंत्री आयुष शर्मा ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ, सशक्त और चिंतनशील नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

जाहिर सूचना (PUBLIC NOTICE)

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि: मेरे पक्षकार श्री दिलीप टटवारिया पिता स्वर्गीय श्री रूपकुमार टटवारिया, निवासीः 11/10, 11/11, वेद नगर, नानाखेड़ा, उज्जैन (म.प्र.), हाल मुकामः 13/07, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.)-452003 के विधिक निर्देशानुसार यह जाहिर सूचना निम्नानुसार प्रकाशित की जा रही हैः

01. यह कि मेरे पक्षकार के पूर्ण स्वामित्व, आधिपत्य एवं स्वत्व का एक रहवासी भवन, जो कि भवन क्रमांक 11/10 एवं 11/11, वेद नगर, नानाखेड़ा, उज्जैन (मध्य प्रदेश) में स्थित है (जिसे आगे 'उक्त भवन' कहा गया है), के विक्रय के संबंध में एक सौदा चिट्ठी दिनांक 16/04/2026 को क्रेताः नगजीराम परमार पिता नाथूलाल परमार, निवासीः पावापुरी धाम कॉलोनी, इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.) के पक्ष में निष्पादित की गई थी।

02. यह कि उक्त क्रेता (नगजीराम परमार) द्वारा सौदा चिट्ठी में वर्णित विधिक शर्तों व अनुबंध का घोर उल्लंघन किया गया तथा बार-बार कहे जाने के बावजूद तय समयावधि के भीतर अनुबंध की शेष राशि का भुगतान नहीं किया गया। अतः क्रेता द्वारा किए गए अनुबंध भंग के कारण, मेरे पक्षकार द्वारा उक्त सौदा चिट्ठी दिनांक 16/04/2026 को पूर्ण रूप से निरस्त (Cancel) कर दिया गया है तथा अनुबंध की शर्तों के अनुसार क्रेता द्वारा दी गई बयाना राशि (Earnest Money) को जप्त व फारफीट (Forfeit)कर लिया गया है।

03. यह कि मेरे पक्षकार को प्रामाणिक सूत्रों से यह ज्ञात हुआ है कि क्रेता (नगजीराम परमार) उक्त निरस्त हो चुकी सौदा चिट्ठी दिनांक 16/04/2026 का दुरुपयोग कर, मेरे पक्षकार के उक्त भवन (11/10, 11/11, वेद नगर, नानाखेड़ा, उज्जैन) को किसी अन्य विधिक इकाई या तृतीय पक्ष को अवैध रूप से अंतरित (Transfer) करने या उसका संव्यवहार करने हेतु बाजार में प्रयासरत है। मेरे पक्षकार द्वारा सौदा निरस्त किए जाने के बाद उक्त क्रेता को इस भवन के संबंध में किसी भी प्रकार का हस्तांतरण या संव्यवहार करने का कोई भी वैधानिक, मालिकाना या आधिपत्य संबंधी अधिकार शेष नहीं रह गया है।

04. अतः इस जाहिर सूचना के माध्यम से समस्त आम जनता, वित्तीय संस्थाओं, बैंकों, सोसायटियों एवं क्रेताओं को सचेत किया जाता है कि उक्त भवन के संबंध में उक्त व्यक्ति (नगजीराम परमार या उनके प्रतिनिधियों) से किसी भी प्रकार का क्रय, विक्रय, अंतरण, बंधक, सौदा या अन्य किसी भी प्रकार का संव्यवहार (Transaction) न करें।

05. यदि इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के उपरांत भी कोई व्यक्ति, समूह, बैंक या संस्था उक्त भवन के संबंध में किसी भी प्रकार का संव्यवहार करता है, तो ऐसा समस्त संव्यवहार निरस्त सौदा चिट्ठी दिनांक 16/04/2026 के प्रकाश में शून्य व निष्प्रभावी (Void ab-initio) माना जावेगा। ऐसे किसी भी अवैध संव्यवहार के लिए मेरा पक्षकार किसी भी रूप में उत्तरदायी, जवाबदेह या बाध्य नहीं होगा और ऐसा करने वाले स्वयं अपने लाभ-हानि के जिम्मेदार होंगे।

मेरे पक्षकार द्वारा उक्त सौदा चिट्ठीकर्ता (क्रेता) के विरुद्ध धोखाधड़ी व विधि विरुद्ध प्रयासों के लिए शीघ्र ही पुलिस प्रशासन में शिकायत दर्ज कराई जा रही है तथा सक्षम विधिक न्यायालय में उचित वाद (Civil & Criminal Suit) प्रस्तुत करने की विधिक कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

दिनांकः 13/07/2026 स्थानः उज्जैन (म.प्र.)

शैलेष परमार एडवोकेट
हाईकोर्ट एडवोकेट एवं भारत सरकार द्वारा अधिकृत नोटरी
आफिस : MIG-F-2/9, जवाहर नगर, नानाखेड़ा उज्जैन (म.प्र.) मो. नं. 98934-43124
समय- सुबह 7.30 बजे से 9.30 बजे तक, शाम 7.30 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने सयुंक्त भवन स्वामी श्री रामकृष्ण जोशी पिता श्री कालूराम जोशी, श्रीमती सरला जोशी पति श्री रामकृष्ण जोशी निवासीगण महात्मा गांधी मार्ग नयापुरा तराना उज्जैन (म.प्र.) के एकमेव स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक भवन जो कि नगर निगम सीमा उज्जैन में होकर जिसका भवन क्रमांक 3/1 का पश्चिम दिशा वाला भाग स्थित वर्धमान नगर कानीपुरा रोड कस्बा उज्जैन में होकर उक्त भवन जो कि दो मंजिल आरसीसी छत से निर्मित होकर फ्री होल्ड राईटस होकर मुख्य मार्ग से अन्दर की ओर आवासीय क्षेत्र में स्थित होकर आवासीय उपयोग का हैं। उक्त भवन का कुल क्षेत्रफल 46.44 वर्गमीटर अर्थात 500 वर्गफीट होकर उक्त भवन जिसकी चतुर्सीमा पूर्व दिशा में मकान क्रमांक 03 का भाग, पश्चिम दिशा में मकान क्रमाक 04, उत्तर दिशा में सड़क कॉलोनी की, दक्षिण दिशा में खुली भूमि स्थित हैं। उक्त सम्पति को मेरे पक्षकार ने क्रय करने की सौदा कर विक्रय अनुबंध तैयार किया गया है जिसमें बयाना राशि अदा कर दिया गया हैं, तथा शेष राशि अदा कर मूल भूखण्ड स्वामी से विक्रय पत्र का सम्पादन/पंजीयन किया जाना शेष है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड सम्पति पर किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो अथवा उक्त भूखण्ड बावत किसी निजी व्यक्ति, सस्था, बैंक, पंचायत, पेढी शासकीय या अर्द्धशासकीय संस्था या स्थानीय शासन का कोई ऋण, भार हित, अधिकार हो या किसी भी न्यायालय में कोई प्रकरण विचाराधीन हो अथवा इस विक्रय समव्यवहार बाबत हो तो जाहिर सूचना प्रकाशन की दिनांक से (07 दिवस) के अन्दर अपनी आपत्ति मय लैखी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय पर आकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवे। अन्यथा बाद मियाद उक्त सम्पत्ति का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार द्वारा अपने हित में निष्पादित एंव पंजीकृत करवा लिया जावेगा एवं इसके पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। और न ही मेरे पक्षकार के हितों पर बधनकारक होगी। यह सूचित हो। इति दिनांक 12.07.2026

श्रीमती शिवांगिनी निलेश धाकड़
(सर्विस प्रोवाईडर) कार्यालय डी.एफ. 12 प्रथम मंजिल भरतपुरी प्रशासनिक क्षेत्र देवास रोड उज्जैन
मोबा. 9074220501

विश्व हिन्दू परिषद मातृ शक्ति ने सेवा सप्ताह में एक दिन में लगाए 151 पौधे

नागदा। विश्व हिन्दू परिषद मातृ शक्ति द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत एक ही दिन में 151 पौधे लगाने का संकल्प सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। विश्व हिन्दू परिषद प्रत्येक वर्ष जुलाई माह को सेवा सप्ताह के रूप में मनाता है। इसी क्रम में पर्यावरण संरक्षण, हरित वातावरण एवं स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से संगठन के कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर सेवा संकल्प निभाया। यह अभियान मातृ शक्ति प्रांत संयोजिका आरती जायसवाल एवं जिला संयोजिका रेनू चौधरी के मार्गदर्शन में नागदा, खाचरौद एवं उन्हेल प्रखंडों में आयोजित किया गया। अभियान के दौरान मातृ शक्ति एवं विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर दुर्गावाहिनी जिला संयोजिका रानी व्यास, नागदा प्रखंड संयोजिका संध्या खेरवार, सीमा चौहान, कांता शर्मा, रंजना लोधी, कला जायसवाल, नमिषा जी, विहिप जिला अध्यक्ष ओजेस सोलंकी, जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र आंजना, जिला मंत्री जितेंद्र पांचाल, जिला संयोजक महेश आंजना, प्रखंड मंत्री कृपाल सिंह तंवर, सुरक्षा प्रमुख नरेंद्र माली, प्रखंड संयोजक आकाश राव, मोहित पोरवाल, बाबूलाल शर्मा, महेश पांचाल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दुग्ध उत्पादन दोगुना करने दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण आज से

सारंगपुर। कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देश पर पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के उद्देश्य से संचालित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का प्रथम एवं द्वितीय चरण सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। अब इस अभियान का तृतीय चरण 13 जुलाई से प्रारंभ किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए सारंगपुर पशु चिकित्सा अधिकारी डा. अमित शाक्या ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी 2 से 4 पशु रखने वाले पशुपालकों से सीधे संपर्क करेंगे। उन्हें पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य, नस्ल सुधार, टीकाकरण तथा पशुओं में टैगिंग के महत्व की जानकारी दी जाएगी, जिससे पशुपालन से होने वाली आय में वृद्धि हो सके। अभियान के सफल संचालन के लिए विकासखंड राजगढ एवं सारंगपुर का संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित किया जा चुका है। प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व सिविल सर्जन डॉ. सोनाली ठाकुर द्वारा किया गया, जिसमें सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी, गौसेवक एवं मैत्री कार्यकताओं ने भाग लिया।

सेवा सप्ताह के तहत देवनारायण मंदिर परिसर में चलाया स्वच्छता व पौधारोपण अभियान

सुसनेर। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत दूसरे दिन एक पन्या स्थित देवनारायण मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि सेवा सप्ताह का उद्देश्य केवल धार्मिक स्थलों की स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण करना भी है। मंदिर परिसर की साफ-सफाई के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिसमें प्रखंड संयोजक अनुराग कानूडिया, प्रखंड उपाध्यक्ष शिवम जी शर्मा, प्रखंड सह मंत्री मनीष राठौर, सह मंत्री बंटी रजक, गोरक्षा प्रमुख सुरेश मीणा, बजरंग दल गोरक्षा प्रमुख राहुल गहलोत, विद्यार्थी प्रमुख रवि दय्या, खंड अध्यक्ष जयेश जैन, खंड मंत्री आयुष शुक्ला, खंड मंत्री चैतन बैरागी, व देवेंद्र शर्मा, रक्षित जैन, रवि टेलर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर सेंट मार्टिन स्कूल में हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बड़नगर । विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को सेंट मार्टिन स्कूल प्रांगण में विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आरसी. यादव थे। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा पोस्टर के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के असंतुलन एवं बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभाव को दर्शाया। साथ ही निबंध प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर बढ़ती जनसंख्या पर अपने विचार लिखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. यादव का स्कूल संचालक फादर जॉर्ज एवं प्रिंसिपल जेनेट जॉर्ज द्वारा स्वागत किया। अतिथि उद्बोधन में डॉ. यादव ने बढ़ती जनसंख्या के प्रभाव एवं उसके समाधान के प्रति जागरूकता फैलाने के बारे में बताया। बच्चों को संबोधित करते हुए स्कूल संचालक फादर जॉर्ज एवं शिक्षक जितेंद्र वर्मा ने बच्चो को बढ़ती जनसंख्या के कारण हो रही समस्या बेरोजगारी, गरीबी एवं शिक्षा की कमी के बारे मे बताया। जानकारी स्कूल मेनेजर नवीन कुमार भगोरिया ने दी।

23 अगस्त को निकलेगी नगर की 18वीं पारंपरिक चुनरी यात्रा

वृद्धि योग में माँ चंबल को दिया निमंत्रण देकर दिव्य कलश से उत्तम वर्षा, समृद्धि और खुशहाली की कामना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नागदा

धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनकल्याण का प्रतीक नगर की 18वीं पारंपरिक चुनरी यात्रा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष 23 अगस्त 2026, पवित्रा एकादशी पर भव्य एवं आकर्षक स्वरूप में निकाली जाएगी। यात्रा को लेकर सामाजिक समरसता मंच एवं चुनरी यात्रा आयोजन समिति की बैठक महिदपुर रोड स्थित पंकज नामदेव के प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यात्रा की तैयारियों के प्रथम चरण के रूप में 12 जुलाई, को प्रातः 11 बजे पुराना बस स्टैंड से आयोजन समिति के सदस्य दिव्य कलश लेकर माँ चंबल के पावन तट पर पहुँचे। यहां विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर माँ चंबल को चुनरी यात्रा का निमंत्रण अर्पित किया। साथ ही उत्तम वर्षा, क्षेत्र की समृद्धि, किसानों की खुशहाली, उत्कृष्ट कृषि उत्पादन, आर्थिक उन्नति तथा वर्षभर पर्याप्त जलापूर्ति की मंगलकामना की।

आयोजन समिति ने बताया कि 18वें वर्ष में प्रवेश कर रही चुनरी यात्रा के अवसर पर 23 अगस्त को पवित्रा एकादशी पर भगवान शिव का वर्षा के अमृत जल से दुग्धाभिषेक एवं जलाभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात नगर में विशाल चल समारोह चुनरी यात्रा के साथ चंबल तट पहुंचकर मां चंबल का 11 लीटर दुग्ध से अभिषेक कर उन्हें श्रद्धापूर्वक 251 मीटर लंबी चुनरी अर्पित की जाएगी। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता रहने की संभावना है। शीघ्र ही अगली कड़ी में सभी नगरवासी, सामाजिक संगठन, महिला संगठन, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन को आयोजन की सफलता एवं सहभागिता के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

बैठक में ये रहे उपस्थित

बैठक में सामाजिक समरसता मंच के संरक्षक गिरधारी सिंह शेखावत, राजेंद्र कांठेड़, गुलजारीलाल त्रिवेदी, पंकज नामदेव, गोपाल सलूजा, हरचरण सिंह चावला, भरत पाटीदार, कमलेश शुक्ला, अशोक शर्मा, गिरधारी चौधरी, निलेश मेहता एवं चेतन नामदेव सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। जानकारी निलेश मेहता ने दी।

16 जुलाई को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की यात्रा, तैयारियां शुरू

महिदपुर। श्री प्राचीन जगदीश मंदिर भगत सिंह चौक से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की भव्य यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा 16 जुलाई दोपहर 1.00 बजे मंदिर परिसर से प्रारंभ होगी। यात्रा में डीजे, बैंड, ढोल-धमाके और भजन मंडलियां शामिल रहेंगी, जिससे पूरे नगर में भक्तिमय माहौल देखने को मिलेगा। भगवान जगन्नाथ की यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। श्री प्राचीन जगदीश मंदिर सेवा समिति महिदपुर ने सभी नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर यात्रा में शामिल होने और धर्म लाभ लेने की अपील की है।

विश्व जनसंख्या दिवस

बढ़ती आबादी पर नियंत्रण के लिए निकली जनजागृति रैली

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक पटेल के निर्देशन एवं प्रमुख विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजेंद्र अजनार के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा को एक विशाल जन जागृति रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आम जनता को बढ़ती जनसंख्या के प्रति जागरूक करना और परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी देना था।

रैली का शुभारंभ डॉ. विजय मालवीय एवं डॉ. गुलाम नबी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह रैली फार्मासिस्ट कन्हैया लाल वर्फा के संचालन में नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रैली को संबोधित करते हुए डॉ. सुयश श्रीवास्तव ने कहा, आज हमारा देश जनसंख्या के मामले में विश्व के सभी देशों को पीछे छोड़ चुका है। हमारे पास दुनिया की जमीन का सिर्फ 2.4 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि आबादी विश्व की 17.5 प्रतिशत है। इस असंतुलन के कारण हमें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनसंख्या स्थिरीकरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए अपील की कि लड़की की शादी की उम्र कम से कम 19 वर्ष करें। साथ ही उन्होंने बताया कि बच्चों में सुरक्षित अंतराल रखने के लिए शासकीय अस्पतालों में कॉपर टी, खाने वाली गोली और अंतरा इंजेक्शन जैसे कई साधन निशुल्क उपलब्ध हैं। रैली को प्रभारी बी.ई.ई. दिनेश कुमार पंचोली ने भी संबोधित किया।

इस जागरूकता अभियान में जगदीशचंद्र परमार (सैक्टर सुपरवाइजर, लोहाना), समस्त आशा सुपरवाइजर, क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता और आउटसोर्स कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल को स्थानीय नागरिकों ने काफी सराहा।

शास्त्री स्मृति विद्या मंदिर में उत्साहपूर्वक मनाया ग्रीन डे

त्रिवेणी पौधों का रोपण कर लिया संरक्षण का संकल्प

सारंगपुर। स्थानीय शास्त्री स्मृति विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल में पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जागरूकता बढाने के उद्देश्य से भव्य ग्रीन डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रांगण में वृहद स्तर पर पौधारोपण कर नई पीढी को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या अतुल जोशी ने कहा कि ग्रीन डे का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और प्रकृति के प्रति अपने लगाव को प्रदर्शित करना है। उन्होंने हरे रंग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हरा रंग समृद्धि और जीवन का जीवंत प्रतीक है। यह विशेष दिन हमें अधिक से अधिक पेड लगाने, एकल-उपयोग प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करने और आने वाली पीढियों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित व हरी-भरी पृथ्वी को अक्षुण्ण रखने की याद दिलाता है। इस आयोजन में पर्यावरण शिक्षक मंच के संचालक मनीष सोनी ने विशेष रूप से भागीदारी की। पर्यावरण को बढावा देने के संकल्प के साथ उन्होंने विद्यालय परिसर में 9 पवित्र त्रिवेणी नीम, पीपल और बरगद के पौधे रोपे। श्री सोनी ने न केवल पौधारोपण किया, बल्कि विद्यालय परिवार को इन पौधों को सुरक्षित रखकर पूर्ण वृक्ष बनाने का दृढ संकल्प भी दिलवाया। इसके साथ ही उन्होंने स्कूली बच्चों को भी पौधे वितरित किए और उन्हें जिम्मेदारी सौंपी कि जब तक ये पौधे बडे वृक्ष नहीं बन जाते, तब तक वे इनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करेंगे।

हत्या के प्रयास के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों, स्थायी वारंटियों एवं वसूली वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीओपी नरसिंहगढ़ प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में थाना बोडा पुलिस ने हत्या के प्रयास के गंभीर प्रकरण में त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। फरियादी भागीरथ पिता धनसिंह भिलाला 64 वर्ष निवासी ग्राम आंकखेड़ी कला थाना बोडा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गांव के ही छगनलाल पिता देवसिंह रुहेला ने पुरानी रंजिश के चलते उसे जान से मारने की नीयत से तलवार से हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु विशेष पुलिस टीम गठित की। पुलिस टीम ने लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश देकर एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखते हुए तकनीकी एवं पारंपरिक पुलिसिंग का प्रभावी उपयोग किया। परिणामस्वरूप आरोपी छगनलाल पिता देवसिंह रुहेला निवासी ग्राम आंकखेड़ी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

राम मंदिर ट्रस्ट की पारदर्शिता को लेकर

कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

ब्यावरा-राजगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी राजगढ़ के अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह खींची के आह्वान पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यावरा के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों ने पंचायत स्तर पर ज्ञापन सौंपा ग्राम पंचायत मोया, चाठा, भाटपुरा, खानपुरा, निवानीया, तलावली, पीपलबे, लोधीपुरा, माल्याहेडी, नारियाबे के कांग्रेस पदाधिकारियों ने माननीय राष्ट्रपति के नाम पंचायत सचिवों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन, आय-व्यय एवं श्रद्धालुओं द्वारा दी गई दान राशि के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों देशवासियों की आस्था के केंद्र हैं, इसलिए मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली भी पूर्णतः पारदर्शी एवं जवाबदेह होना आवश्यक है। ज्ञापन में मांग की गई कि ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन, आय-व्यय एवं दान राशि के उपयोग की किसी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष एजेंसी अथवा उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए।

ग्राम कांकड़दा स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में

टीएसीसी लिमिटेड के सहयोग से छात्रों की सुविधा के लिए किया शौचालय निर्मित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भौरासा

जिले की सोनकच्छ तहसील के ग्राम कांकड़दा स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में टीएसीसी लिमिटेड के सहयोग से विद्यार्थियों की सुविधा के लिए निर्मित शौचालय एवं वर्षा जल संचयन प्रणाली का विद्यालय को विधिवत हस्तांतरण किया गया। इस पहल से विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध होगा, वहीं विद्यालय की छत से एकत्रित होने वाले वर्षा जल का संरक्षण भी किया जा सकेगा। इस अवसर पर टीएसीसी लिमिटेड के सस्टेनेबिलिटी तथा ईएसजी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी संजय गैरोला, डॉ. सतीश सैनी,एवं जयवर्धन सिंह राठौड़,अमरजीतसिंह के आतिथ्य में लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में राजकिरण इंटरप्राइजेज से नितिन बारोडे एव उदय राज ठाकुर उपस्थित थे। टीएसीसी ने विद्यालय परिवार को नव निर्मित सुविधाओं का औपचारिक रूप से हस्तांतरण किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की ओर से टीएसीसी लिमिटेड के प्रति प्रधानाध्यापक श्रीमती प्रियंका चौधरी ने आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन पत्र भेंट किया। साथ ही कहा कि यह सहयोग शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, जल संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है। विद्यालय ने आशा व्यक्त की,कि भविष्य में भी संस्था का सहयोग इसी प्रकार मिलता रहेगा। इस अवसर पर शिक्षिका श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, शिक्षक सलीम हुसैन,जनशिक्षक दिनेशपुरी गोस्वामी सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए टीएसीसी लिमिटेड के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

भाजपा प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी जयदीप पटेल का स्वागत

तनोडिया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी जयदीप पटेल का जिला उपाध्यक्ष डॉ. राहुल जैन के निवास पर आए। और वरिष्ठ कार्यकर्ता से डीजिटल और संगठन के बारे चर्चा की गई और आगे संगठन मजबूत केसे मजबूत हो। उनसे राय ली गई। साथ श्री पटेल का स्वागत किया गया। इस दौरान वरिष्ठ कार्यकर्ता राधावल्लभ जैन, मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सिंह चौहान, बाबूसिंह चौहान, जिला मीडिया प्रभारी महेश शर्मा, मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनीष सोनी, विजेन्द्र सिंह राठौर, बूथ अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पंडित मनोज कुमार शर्मा बने अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा जिलाध्यक्ष

सारंगपुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा मध्य प्रदेश अध्यक्ष पं. मुकेश तिवारी एवं प्रदेश प्रभारी पं. माया इंदु तिवारी की सहमति से अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा

में पं. मनोज कुमार शर्मा को राजगढ जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर पं. मनोज कुमार शर्मा को समाजजनों और शुभचिंतकों द्वारा बधाइयाँ और शुभकामनाएं दी गई हैं। अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ने शर्मा ने कहा कि वह संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से निभाएंगे। उन्होंने समाज के विकास, एकता और संगठन को नई दिशा व ऊर्जा देने का संकल्प लिया है। श्रीशर्मा ने कहा कि महासभा के प्रदेश नेतृत्व ने जो मुझ पर विश्वास जताया है है उसी कार्यशैली से संगठन को मजबूती और समाज हित में उन्नाति के नए मार्ग प्रशस्त करने के लिए कार्य करेंगे।

पंवार की पुस्तक का मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल ने किया विमोचन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खाचरौद

किसान उत्पादक कंपनियों के गठन, संचालन, वैधानिक अनुपालन एवं शासन की विभिन्न योजनाओं पर आधारित विस्तृत एवं व्यवहारिक मार्गदर्शिका किसान उत्पादक कंपनी (दिशा-निर्देश एवं अनुपालन) का भव्य विमोचन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कर्नाटक के राज्यपाल डॉ. थावरचंद गहलोत के करकमलों से सम्पन्न हुआ। यह पुस्तक खाचरोद (जिला उज्जैन) के युवा कंपनी सचिव सीएस अमन एस. पंवार द्वारा लिखी गई है।

यह पुस्तक किसान उत्पादक कंपनियों के गठन से लेकर उनके पंजीकरण, प्रबंधन, वैधानिक अनुपालन, शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली वित्तीय सहायता, अनुदान, कृषि विकास योजनाओं तथा व्यावहारिक संचालन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विषयों का सरल एवं व्यवस्थित मार्गदर्शन प्रदान करती है। लेखक का उद्देश्य किसानों, एफपीओ के पदाधिकारियों, कृषि उद्यमियों, कंपनी सचिवों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, अधिवक्ताओं तथा कृषि एवं सहकारिता क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के लिए एक ऐसी संदर्भ पुस्तक उपलब्ध कराना है, जो जटिल विधिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सहज भाषा में समझा सके।

इस गरिमामय समारोह में अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठजन एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष महत्व प्रदान किया।

इस अवसर पर सीएस अमन एस. पंवार ने कहा कि किसान उत्पादक कंपनियों पर लिखी गई इस पुस्तक का देश के शीर्ष नेतृत्व के करकमलों से विमोचन होना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान एवं अविस्मरणीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि देश के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों एवं कृषि आधारित उद्यमिता के प्रति उनके वर्षों के समर्पित प्रयासों का सम्मान है।

अंत में सीएस अमन एस. पंवार ने सभी विशिष्ट अतिथियों, मार्गदर्शकों, शुभचिंतकों, परिवारजनों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक देशभर में किसान उत्पादक कंपनियों के प्रभावी संचालन, कृषि उद्यमिता के विस्तार तथा किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

कार और मोटरसाइकल भिडंत में बाइक सवार की मौत

इंगोरिया। बदनावर-उज्जैन फोरलेन मार्ग पर इंगोरिया त्रिकाल रेस्टोरेंट के सामने शनिवार दोपहर 12. 30 बजे कार और मोटरसाइकल की भिड़ंत से मोटरसाइकल चालक एक 27 वर्ष का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर घायल को एक सौ आठ एंबुलेंस से उज्जैन इलाज हेतु भेजा है। पुलिस ने मृतक की पहचान कमल पिता हेमराज निवासी बलेडी के रूप में की है। परिजनों ने बताया कि वह बलेडी से दोपहर में ग्राम मतांगना काम पर जा रहा था । नेशनल हाइवे पर उसकी बाइक की मंदसौर से उज्जैन तरफ जा रही कार एम पी -14 सी सी/ 1152 से टक्कर हो गई। गंभीर हालत में उसे उज्जैन के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों ने बताया कि इलाज के दौरान शाम को उसकी मौत हो गई है।

दोस्त आकांक्षा रंजन के संगीत में आलिया ने दी परफॉर्मेंस

माही वे गाने पर ब्राइड्समेड के साथ थिरकीं, जान्हवी, सोनाक्षी समेत कई सेलेब्स हुए शामिल

आलिया भट्ट की बेस्टफ्रेंड और एक्ट्रेस आकांक्षा रंजन जल्द ही शादी करने वाली हैं। शुक्रवार को मुंबई में उनकी मेहंदी सेरेमनी और संगीत का आयोजन किया गया, जिसमें आलिया भट्ट, सोनाक्षी सिन्हा, जान्हवी कपूर, वाणी कपूर, गुरू रंधावा समेत कई सेलेब्स शामिल हुए हैं। इस दौरान आलिया ने दोस्त के लिए डांस परफॉर्मेंस दी है।

आलिया भट्ट ने आकांक्षा रंजन की बहन अनुष्का रंजन, आदित्य सील और वाणी कपूर के साथ शाहरुख खान की फिल्म कल हो न हो के गाने माही वे पर परफॉर्मेंस दी है। आलिया भट्ट ने आकांक्षा की संगीत सेरेमनी में पर्पल बनारसी साड़ी को वेस्टर्न स्टाइल में स्टाइल किया है। स्लीक बन, मिनिमल मेकअप और जूलरी के साथ आलिया ने लुक कंप्लीट किया है। आलिया भट्ट और आकांक्षा रंजन बचपन की दोस्त हैं। दोनों अक्सर साथ पार्टी करते और वेकेशन पर जाती हैं। आकांक्षा से पहले उनकी बहन अनुष्का की शादी में भी आलिया बढ़-चढ़कर शामिल हुई थीं। उन्होंने अनुष्का की संगीत में छलका रे गाने पर परफॉर्मेंस दी थी।

आकांक्षा रंजन एक्टर और डायरेक्टर शशि रंजन की छोटी बेटी हैं, जबकि उनकी मां अनु रंजन इंडियन टेलीविजन एकेडमी की फाउंडर हैं। आकांक्षा की बड़ी पहन अनुष्का रजंन की शादी, एक्टर आदित्य सील से हुई है, जो तुम बिन 2 में नजर आ चुके हैं।

अजय देवगन की मूवी में भोजपुरी सिंगर की एंट्रीः

पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, अक्षरा सिंह के बाद अब भोजपुरी के एक और सिंगर नीलकमल सिंह की बॉलीवुड में एंट्री हो गई है। अजय देवगन की मूवी धमाल-4 सिनेमाघरों में शुक्रवार को रिलीज हुई है। रिलीज से पहले मूवी का गाना चटनी सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसे बक्सर जिले के चौसा प्रखंड के रहने वाले भोजपुरी सिंगर नीलकमल सिंह ने आवाज दी है। नीलकमल सिंह के 'चटनी' गाने को यूट्यूब पर 20 दिनों में 21 मिलियन लोग देख चुके हैं। गाने में फीमेल सिंगर के रूप में ममता शर्मा की आवाज है। गाने को धीरज बबुआन ने लिखा है, जबकि म्यूजिक नीलकमल सिंह और आदित्य देव ने दिया है। गाने को राहुल शेट्टी ने कोरियोग्राफ किया है। धमाल-4 में अजय देवगन के साथ, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा के साथ-साथ ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, रवि किशन मुख्य कैरेक्टर में हैं। फिल्म को इंद्र कुमार ने डायरेक्ट किया है। नीलकमल सिंह ने अब तक किसी भोजपुरी मूवी में काम नहीं किया है। वो सीधे बॉलीवुड में सिंगर और एक्टर के तौर पर एंट्री की है।

'धमाल-4' का 'चटनी' गाना कैसे मिला?

नीलकमल सिंह के बड़े भाई राजकमल सिंह ने बातचीत में बताया कि हम लोगों ने शुरूआत से म्यूजिक के बीट और वीडियो पर फोकस किया। भोजपुरी के बीट अलग होते हैं और वेस्टर्न म्यूजिक के बीट अलग होते हैं। 10 से अधिक गानों में हम लोग वेस्टर्न बीट यूज किए हैं। हम लोगों के कुछ गाने वायरल होने लगे तो टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार ने मिलने के लिए बुलाया। भूषण कुमार ने नीलकमल के गानों की तारीफ की और कहा कि जब हिंदी में गाते हो तो तुम्हें हिंदी में भी ट्राई करना चाहिए। राजकमल बताते हैं कि भूषण कुमार की टी-सीरीज के बैनर तले करीब एक साल पहले एक गाना आया, जिसके बोल लड़की दिवानी था। इस गाने में नीलकमल के साथ बॉलीवुड स्टार सनी लियोनी भी थी। ये गाना काफी हिट हुआ।

सलमान ने बेचा अपना बांद्रा में स्थित एक और अपार्टमेंट

सलमान खान ने मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित शिव-अस्थान हाइट्स में अपना एक अपार्टमेंट 3.50 करोड़ रुपए में बेच दिया है। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों के अनुसार, उन्होंने यह अपार्टमेंट साल 2015 में 2.88 करोड़ रुपए में खरीदा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह डील 9 जुलाई को हुई थी। अपार्टमेंट को मुनीरा अकबरअली डंडावाला, महदियाली अकबरअली डंडावाला और जेहरा महदियाली डंडावाला ने मिलकर खरीदा था।

इस ट्रांजैक्शन पर 21 लाख रुपए की स्टाम्प ड्यूटी और 30,000 रुपए की रजिस्ट्रेशन फीस दी गई थी। हालांकि, आधिकारिक तौर पर सलमान की ओर से कोई बयान नहीं दिया गया।

डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 758 स्क्वेयर फीट है और इसमें दो कार पार्किंग स्पेस भी हैं। इस ट्रांजैक्शन के हिसाब से, कीमत लगभग 46,000 रुपए प्रति स्क्वेयर फीट कारपेट एरिया थी। सलमान खान लंबे समय से बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट्स में अपने परिवार के साथ रहते हैं। जुलाई 2025 में भी उन्होंने बांद्रा वेस्ट के शिव-अस्थान हाइट्स में स्थित 1,318 वर्ग फुट का एक अपार्टमेंट 5.35 करोड़ रुपए में बेचा था।

वहीं 16 जून 2026 में खान परिवार को महाराष्ट्र कोस्टल जोन मैनेजमेंट अथॉरिटी से बांद्रा के चिम्बई इलाके में ब्लिडिंग बनाने की मंजूरी मिली थी।

रिपोर्ट के अनुसार, यह नया प्लॉट गैलेक्सी अपार्टमेंट से कुछ सौ मीटर की दूरी पर है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नया प्लॉट सलमान की मां सलमा खान के नाम पर है।

मीटिंग के रिकॉर्ड में बताया गया है कि यहां 1956 से पहले बना दो मंजिला मकान था। यह जमीन पहले मैरी क्लोटिल्डा बैपटिस्टा के नाम थी। बाद में कई बार मालिक बदले और 2011 में खान परिवार ने इसे खरीद लिया। पुरानी बिल्डिंग जर्जर होने के कारण उसे गिरा दिया गया था। अब इस प्लॉट पर ग्राउंड, स्टिल्ट और छह मंजिला रेजिडेंशियल बिल्डिंग बनाई जाएगी।

जोकोविच विंबलडन सेमीफाइनल हारे, 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का सपना टूटा

15 साल छोटे सिनर ने सीधे सेटों में हराया, तेंदुलकर-गिल रोजर फेडरर से मिले

एजेंसी ▸▸ लंदन

39 साल के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का 25वां ग्रैंड स्लैट जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया है। वे विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में खुद से 15 साल छोटे 24 साल के जैनिक सिनर से सीधे सेटों में हार गए। सर्बिया के जोकोविच ने पिछला ग्रैंड स्लैम 3 साल पहले 2023 में जीता था। तब वे यूएस ओपन में चैंपियन बने थे।

लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में शुक्रवार को इटली के सिनर ने जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। वे लगातार दूसरे साल फाइनल में पहुंचे हैं। वर्ल्ड नंबर-1 सिनर ने पिछले साल स्पेन के कार्लोस अल्काराज को हराया था। इस बार सिनर का मुकाबला रविवार को जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। सिनर ने सेमीफाइनल मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने जोकोविच को लगातार तीन सेटों में 2 घंटे 20 मिनट चले मैच में मात दी। इस जीत के साथ सिनर इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में मिली 5 सेटों की हार का भी बदला ले लिया। जोकोविच अब तक 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं।

लॉर्ड्स विमेंस टेस्ट: भारत 285 रन पर ऑलआउट

एजेंसी ▸▸ लंदन

लॉर्ड्स में खेले जा रहे पहले महिला टेस्ट में भारत की पहली पारी 285 रन पर सिमट गई। पहले दिन ओपनर स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा ने फिफ्टी लगाई। इंग्लैंड के लिए स्पिनर सोफी एक्लेस्टन ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। जवाब में इंग्लैंड ने दिन की समाप्ति पर 1 विकेट खोकर 21 रन बना लिए हैं। अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेल रही टैमी ब्यूमोंट सिर्फ 2 रन बनाकर क्रांति गौड़ की गेंद पर छह आउट हुईं। माया बाउशियर 17 रन और हीदर नाइट 1 रन बनाकर खेल रही हैं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरूआत खराब रही। शेफाली वर्मा दूसरे ओवर में बिना खाता खोले लॉरेन फिलर की बॉल पर आउट हुईं।

अनिमेष विदेश में सबसे तेज 100 मीटर दौड़ने वाले भारतीय

एजेंसी ▸▸ वेट्जलार (जर्मनी)

अनिमेष कुजूर विदेश में सबसे तेज 100 मीटर दौड़ने वाले भारतीय बने हैं। उन्होंने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर में 100 मीटर दौड़ 10.14 सेकेंड में पूरी की।

23 साल के अनिमेष ने विदेश में सबसे तेज दौड़ने के मामले में अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया है। यह उनका पर्सनल बेस्ट भी है। वह फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। साउथ अफ्रीका के आर. म्लेंगा 10.03 सेकेंड के साथ पहले स्थान पर रहे। अनिमेष का 10.14 सेकेंड का समय भारत के इतिहास का दूसरा सबसे तेज 100 मीटर प्रदर्शन है। नेशनल रिकॉर्ड

10.09 सेकेंड का है, जिसे गुरिंदरवीर सिंह ने इसी साल रांची में फेडरेशन कप में बनाया था। मई में फेडरेशन कप के दौरान भारतीय स्प्रिंट में बड़ा बदलाव देखने को मिला था। गुरिंदरवीर सिंह ने 10.17 सेकेंड का समय निकाला और अनिमेष का रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद अनिमेष ने 10.15 सेकेंड दौड़कर उससे बेहतर प्रदर्शन किया। अगले ही दिन गुरिंदरवीर ने 10.09 सेकेंड का समय निकालकर भारत के सबसे तेज धावक बने।

स्पेन फुटबॉल वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहुंचा

एजेंसी ▸▸ बेल्जियम

2010 की चैंपियन स्पेन फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने शुक्रवार रात दूसरे दूसरा क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हराया। अब उसका सामना फ्रांस से होगा। यह मैच 14 जुलाई की रात 12:30 बजे खेला जाएगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में स्पेन और बेल्जियम का मुकाबला 87 मिनट तक 1-1 से बराबरी पर था। 88वें मिनट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने विजयी गोल दागा। स्पेन के पाउ क्यूबार्सी की किक बेल्जियम के रिजर्व गोलकीपर सेने लामेन्स के हाथ से छूट गई।

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय 10 से 01 बजे तक
आवेदनः 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बरः-2557390

विज्ञप्ति
क्षीरसागर कॉलोनी स्थित भूखण्ड क्रमांक 3 नजर अली मार्ग, पथ क्रमांक 3, उत्तरमुखी खुला भूखण्ड 46 फीट बाय 66 फीट विक्रय किया जाना है। वास्तविक इच्छुक व्यक्ति ही स्वयं सम्पर्क करें, मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है।
चन्द्रकान्त शुक्ला
मो. 9406801039

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोनः 7869850570
9827832632

मकान बेचना है
गणेशपुरा मक्सी रोड मेन चौराहा, गली नंबर 1 में 20x40 में निर्मित सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।
संपर्क
8717818385

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

आवश्यकता है
रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु हेल्पर की जो सभी कार्य कर सके आवश्यकता है।
संपर्क
9827820470

आवश्यकता है
टाइपिस्ट की आवश्यकता है समय रात्रि 7:30 से 10:30 तक वेतन योग्यतानुसार।
संपर्क करें
एडवोकेट विजय पटेल
मीणा समाज धर्मशाला काजीपुरा अंकपत मार्ग उज्जैन
मोबाइल- 9301322699

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क
मो.9575477077

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

इन्दौर में 2 BHK फ्लेट बेचना है।
सीता श्री रेसीडेंसी
ऐयर पोर्ट मेनरोड कालानी नगर के पास
ग्राउंड फ्लोर में 4 बैंक व 4 दुकाने है
पास में, मेट्रो स्टेशन निर्माणाधीन मोके की जगह।
सीधे आनर से संपर्क करें।
9669578652

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

अवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक और युवती की।
कोट पेन्ट बनाने वाले कारीगर की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
प्रोमिस टेलर मेट्रो टॉकीज के सामने (उज्जैन)
संपर्क करें
7974817308, 9516848052

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

न्यूज कॉलम

लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के चार थाना क्षेत्रों में सिलसिलेवार लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने एक के बाद एक चार से अधिक लोगों को निशाना बनाया था। वारदातें सीसीटीवी कैमरों में कैद होने के बाद पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। डीसीपी जोन-2 अमन राठौर की टीम ने कनाड़िया, लसूडिया, आजाद नगर सहित एक अन्य थाना क्षेत्र में हुई सीरियल लूट की घटनाओं का खुलासा करते हुए अजय और सन्नी टूटेजा को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने करीब पांच दिन पहले अलग-अलग स्थानों पर महिलाओं से मोबाइल लूट की वारदातों को अंजाम दिया था। घटनाओं के बाद दोनों फरार हो गए थे। कनाड़िया और लसूडिया थाना पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों ने अपने शौक पूरे करने और नशे की लत के चलते लगातार वारदातें की थीं। लूटे गए मोबाइल बेचने के लिए वे ग्राहक की तलाश कर रहे थे।

मामूली विवाद के बाद पत्थर से सर पर हमलाकर बेटे ने पिता की हत्या कर दी

आलीराजपुर। आलीराजपुर जिले के जोबट थाना क्षेत्र के ग्राम कंदा में रविवार को मामूली विवाद खूनी वारदात में बदल गया। बेटे ने गुस्से में अपने ही पिता के सिर पर पत्थर से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम कंदा के मसानिया फलिया निवासी राईसिंग मसानिया (60) और उनके बेटे वेस्ता मसानिया (38) के बीच रविवार को किसी बात को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी बढ़ने पर बेटे ने पास पड़ा पत्थर उठाकर पिता के सिर पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से पिता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही जोबट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोबट भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस परिजनों और ग्रामीणों के बयान दर्ज कर रही है।

रसोइयों की कुकिंग प्रतियोगिता में 30 समूहों ने दिखाई पाक-कला, विजेता को मिले 5 हजार

झाबुआ। झाबुआ जिले के पेटलावद स्थित सांदीपनि स्कूल में शनिवार को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत रसोइया सह-सहायकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण और कुकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के 15 संकुलों से आए 30 स्व-सहायता समूहों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजनों की आकर्षक प्रस्तुति देना था, जिसकी थीम विकसित भारत-2047 और स्वास्थ्य पर केंद्रित रखी गई थी। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष हेमंत भट्ट, नायब तहसीलदार अंकिता भिड़े और जिला एमडीएम प्रभारी दीपिका रावत सहित अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। बीआरसी रेखा गिरि स्वामी ने योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में समूहों द्वारा तैयार व्यंजनों का मूल्यांकन उनकी गुणवत्ता, पोषण मूल्य, स्वच्छता, स्वाद और प्रस्तुतीकरण के आधार पर निर्णायकों द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्व-सहायता समूहों को प्रमाण-पत्र और नकद राशि देकर पुरस्कृत किया गया।

शिवगंगा पौधा वितरण अभियान, 6 हजार परिवारों को देंगे 90 हजार फलदार वृक्ष

झाबुआ। झाबुआ जिले के धरमपुरी में शिवगंगा समग्र ग्राम विकास परिषद द्वारा पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने क्षेत्र में पर्यावरण और जल संरक्षण के क्षेत्र में हुए बदलावों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कभी पानी की भारी किल्लत झेलने वाला यह इलाका आज शिवगंगा के प्रयासों और सामुदायिक सहभागिता से हरा-भरा और समृद्ध हो रहा है। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में 'हलमा' परंपरा के माध्यम से किए गए जल संरक्षण और कंटूर निर्माण (खेतों की मेढ़बंदी) जैसे कार्यों को सराहा। उन्होंने बताया कि शिवगंगा के इन सफल जमीनी मॉडलों को देखने के लिए देश के प्रतिष्ठित आईआईटी और मेडिकल संस्थानों के विशेषज्ञ भी झाबुआ आ रहे हैं। इस वर्ष के लक्ष्य को लेकर संस्था ने बताया कि 8 जुलाई से 30 जुलाई तक जिले में 6 हजार परिवारों को 90 हजार पौधे वितरित करने का अभियान चलाया जा रहा है।

शराब ठेकेदार के घर देर रात पथराव, 10 से 15 हमलावरों ने गाड़ियों पर बरसाए पत्थर

धार। कैलाश नगर में शराब ठेकेदार विकास ठाकुर के घर पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2.30 बजे पथराव की घटना हुई। पिकअप वाहन में सवार होकर आए 10 से 15 अज्ञात बदमाशों ने मकान और बाहर खड़ी गाड़ियों पर ताबड़तोड़ पत्थर बरसाए। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पथराव में मकान की बाउंड्री गैलरी के कांच टूट गए। वहीं बाहर खड़ी फॉर्च्यूनर और महिंद्रा बोलेरो भी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। विकास ठाकुर का आरोप है कि यह हमला पुरानी रंजिश का नतीजा है। उनके अनुसार, 7 और 8 जुलाई की दरमियानी रात सरदारपुर स्थित उनकी शराब दुकान पर भी तोड़फोड़, कर्मचारियों से मारपीट और लूटपाट हुई थी। उस मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था, लेकिन उसके कुछ समय बाद ही उनके घर पर हमला कर दिया गया।

51 हजार पौधे बांटते हुए निकाली तुलसी यात्रा, लोगों ने बरसाए फूल

धार। धार शहर में शनिवार को प्रकृति संरक्षण और सनातन संस्कृति के संवर्धन के उद्देश्य से एक तुलसी यात्रा निकाली गई। इस यात्रा के माध्यम से 51 हजार तुलसी के पौधे वितरित किए गए। इसमें संत-महात्माओं, विभिन्न समाजों और हजारों लोगों ने भाग लिया। यात्रा की शुरूआत धारेश्वर मंदिर में विशेष पूजन और अभिषेक के साथ हुई। महामंडलेश्वर नरसिंहदासजी महाराज, महंत श्यामदासजी महाराज, महंत कृष्णदासजी महाराज, महंत जीवनदासजी महाराज सहित 12 से अधिक संत-महात्माओं के सानिध्य में यात्रा ने नगर भ्रमण किया। भजनों और अखंड रामधुन संकीर्तन के बीच निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और समाजसेवी शामिल हुए। यात्रा के संयोजक एवं संकल्पकर्ता नवनीत जैन ने बताया कि अभियान के तहत 51 हजार तुलसी के पौधों का वितरण किया जा रहा है। शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटी-छोटी तुलसी यात्राओं और आयोजनों के माध्यम से लोगों तक पौधे पहुंचाए जा रहे हैं।

खरीदारी के बहाने ले जाकर शादी से बचने के लिए प्रेमी ने प्रेमिका का गला घोंटा

धार। धार के तुर्क बगड़ी बायपास स्थित नाले में 10 जुलाई को मिले 45 वर्षीय मंजूबाई के शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया है कि महिला की हत्या उसके प्रेमी ने की थी। पुलिस के मुताबिक, मंजूबाई आरोपी पर शादी का दबाव बना रही थीं। इससे बचने के लिए आरोपी उन्हें कटलरी का सामान खरीदने के बहाने इंदौर ले गया। वहां गला घोंटकर हत्या कर दी और पहचान छिपाने के इरादे से शव धार के तुर्क बगड़ी बायपास स्थित कृषि फार्म के पास पानी से भरे गड्ढे में फेंक दिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में सोडपुर निवासी रमेश उर्फ दुबलिया को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार, मंजूबाई अपने पति की मौत के बाद इंदौर के धरमपुरी निवासी पप्पू असरेट के साथ किराए के मकान में रह रही थीं। इसी दौरान उनकी पहचान रमेश उर्फ दुबलिया से हुई और दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि मंजूबाई लगातार आरोपी पर शादी करने का दबाव बना रही थीं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी रमेश मंजूबाई को रानीपुरा, इंदौर से कटलरी का सामान खरीदने का कहकर अपने साथ ले गया। रास्ते में उसने उनकी गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को धार के तुर्क बगड़ी बायपास स्थित कृषि फार्म के पास सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में फेंक दिया था।

इंदौर में सामने आए हाई-प्रोफाइल ड्रग्स तस्करी मामले में क्राइम ब्रांच की एंट्री, जांच अब और तेज होती जा रही, एक महिला को भी भेजा नोटिस

गुजरात कनेक्शन की जांच तेज, नाना पटवारी से दोबारा पूछताछ की तैयारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में सामने आए हाई-प्रोफाइल ड्रग्स तस्करी मामले की जांच अब और तेज होती जा रही है। दो दिन पहले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई कुलभूषण उर्फ नाना पटवारी से लंबी पूछताछ हुई थी। अब इस मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच भी सक्रिय हो गई है।

पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त जांच में ड्रग्स नेटवर्क के तार गुजरात से जुड़े होने के संकेत मिले हैं, जिसके बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। सूत्रों के अनुसार शुरूआती जांच में ड्रग्स की सप्लाई चेन और वित्तीय लेन-देन का संबंध गुजरात से जुड़ा पाया गया है। इसके आधार पर क्राइम ब्रांच ने इंदौर और गुजरात के कुछ संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें पूछताछ के लिए तलब करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि जांच एजेंसियां कुलभूषण उर्फ नाना पटवारी से दोबारा पूछताछ की तैयारी कर रही हैं। इस बार उनके संपर्क में रही एक महिला को भी नोटिस जारी कर बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों को उम्मीद है कि दोनों के बयानों से ड्रग्स नेटवर्क के संचालन और उससे जुड़े लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

तस्करों के खुलासे के बाद बढ़ी जांच

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में 10.1 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़े गए आरोपी इरफान उर्फ गोलू चंदेरी और रॉनी भाई ने पूछताछ के दौरान नाना पटवारी का नाम लिया था। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर आरोपियों के आमने-सामने बैठाकर कई घंटे तक पूछताछ की थी। प्रारंभिक बयान और तथ्यों के सत्यापन के बाद उन्हें घर जाने की अनुमति दी गई, लेकिन जांच लगातार जारी है।

सप्लाई चेन और फंडिंग पर फोकस

- क्राइम ब्रांच अब इस पूरे ड्रग्स नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की पड़ताल कर रही है। जांच का मुख्य फोकस यह पता लगाना है कि मादक पदार्थों की खेप कहां से आ रही थी, इसके पीछे कौन लोग हैं और इसका वित्तीय नेटवर्क कैसे संचालित हो रहा था।
- अधिकारियों का कहना है कि ड्रग्स तस्करी से जुड़े पूरे सिंडिकेट का पदार्फाश करने के लिए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। यदि जांच में नए तथ्य सामने आते हैं तो मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

छात्र आंदोलन में शामिल होने इंदौर आ सकते हैं कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके

नीट पेपर लीक और 23 सूत्रीय मांगों को लेकर छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना जारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में नीट पेपर लीक और 23 सूत्रीय मांगों को लेकर छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना लगातार 11वें दिन भी जारी है। आंदोलन को और तेज करते हुए छात्रों ने 14 जुलाई को महाआंदोलन का ऐलान किया है।

नीट पेपर लीक मामले समेत 23 सूत्रीय मांगों को लेकर इंदौर में छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना लगातार जारी है। अब आंदोलन को और व्यापक बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। छात्रों ने 14 जुलाई को बड़े महाआंदोलन का ऐलान किया है। इसके लिए जमीनी स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों के आंदोलन को अब कॉकरोच जनता पार्टी का भी समर्थन मिला है। पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने टंट्या भील चौराहे पर

धरने पर बैठे छात्रों से वीडियो कॉल के जरिए बातचीत की। इस दौरान उन्होंने छात्रों का हौसला बढ़ाया और 14 जुलाई को प्रस्तावित महाआंदोलन में स्वयं शामिल होने की संभावना जताई। टंट्या भील चौराहे पर चल रहे इस धरने को 11 दिन से अधिक हो चुके हैं। इसके बावजूद छात्रों का उत्साह कम नहीं हुआ है। हर दिन नए छात्र आंदोलन से जुड़ रहे हैं, जबकि कई छात्र पहले दिन से ही धरना स्थल पर डटे हुए हैं। आंदोलन को अब प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

12 साल पुराने पिंटू हत्याकांड में दो को उम्रकैद की सजा

मुख्य आरोपी ने पिस्टल से मारी थी गोली तीन आरोपी सबूतों के अभाव में बरी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

बाणगंगा थाना क्षेत्र में 2013 में हुए देवेंद्र उर्फ पिंटू हत्याकांड में करीब 12 साल बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया। अपर सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार शर्मा ने मुख्य आरोपी जितेंद्र उर्फ जेडी और सचिन कुशवाह उर्फ कबाड़ी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

वहीं, सबूतों के अभाव में बबलू ठाकुर उर्फ प्रेम, चंदन उइके और गोलू उर्फ आनंद को बरी कर दिया गया। कोर्ट ने माना कि जितेंद्र उर्फ जेडी ने अवैध पिस्टल से देवेंद्र उर्फ पिंटू की गोली मारकर हत्या की थी। जांच के दौरान बरामद पिस्टल और घटनास्थल से मिली गोली की फोरेंसिक जांच में भी पुष्टि हुई कि हत्या इसी हथियार से की गई थी। कोर्ट ने यह भी माना कि सचिन कुशवाह वारदात के समय जितेंद्र के साथ था और हत्या की साजिश में शामिल था। कोर्ट ने जितेंद्र उर्फ जेडी को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही आर्म्स एक्ट की धाराओं 25 और 27 के तहत भी अलग-अलग सजा दी गई। सचिन कुशवाह को हत्या की साजिश और हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। दोनों पर जुमार्ना भी लगाया गया है। फैसले में कोर्ट ने कहा कि हत्या गंभीर अपराध है, लेकिन यमामला ह 'विरलतम से विरल' श्रेणी में नहीं आता। इसलिए मृत्युदंड के बजाय आजीवन कारावास की सजा उचित है। देवेंद्र उर्फ पिंटू की वर्ष 2013 में बाणगंगा थाना क्षेत्र में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सीनियर नेशनल डाइविंग में इंदौर की पलक ने 3 स्वर्ण सहित 4 पदक जीते

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महू

गोताखोरी टीवी पर देखने में जितना रोमांचक लगता है, हकीकत में उतना ही जोखिम भरा है। चौथे माले की ऊंचाई (10 मीटर हाई बोर्ड) से जब खिलाड़ी कूदता है, तो शरीर का संतुलन जरा सा भी बिगड़ने पर पानी की मार किसी पत्थर की तरह लगती है।

इंदौर की स्टार डाइवर पलक शर्मा ने इस डर और चोटों को मात देकर तमिलनाडु में आयोजित सीनियर नेशनल एक्वाटिक चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया। उन्होंने रेलवे का प्रतिनिधित्व करते हुए एक ही नेशनल स्पर्धा में रिकॉर्ड 4 पदक (3 स्वर्ण और 1 रजत) अपने नाम किए।

सीनियर नेशनल के इतिहास में एक साथ 4 मेडल जीतने वाली वे इंदौर की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। पलक के इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय रेलवे ने टीम स्पर्धा में भी पहला स्थान हासिल किया।

पलक ने बताया, डाइविंग बहुत रिस्की है। 6 महीने पहले ही प्रैक्टिस के दौरान मेरा कंधा चोटिल हो गया था, जिससे उबरने में दो महीने लगे। सिंक्रो स्पर्धा में भी ऋतु के साथ पदक अपने नाम किए तमिलनाडु में खेली गई इस स्पर्धा में पलक ने 10 मीटर हाई बोर्ड (व्यक्तिगत) में 169.65 अंक हासिल कर पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 1 मीटर स्प्रिंग बोर्ड स्पर्धा में भी शानदार प्रदर्शन किया और 157.40 अंकों के साथ रजत पदक (सिल्वर) अपने नाम किया। पलक ने ऋतु की जोड़ी के साथ सिंक्रो स्पधाओं में भी अपना दबदबा बनाया। दोनों ने दो और स्वर्ण पदक जीते।

इंदौर में एएसआई के बेटे ने किया सुसाइड

महिला से प्रताड़ित ठेकेदार ने लगाई फांसी, अलग-अलग मामलों में तीन लोगों ने की आत्महत्या

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

छत्रीपुरा इलाके की पुलिस लाइन में रहने वाले एक एएसआई के बेटे ने जहर खाकर जान दे दी। रविवार को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर भिंड रवाना हो गए।

छत्रीपुरा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक आदित्य (18) पिता ब्रजेश कुमार है। वह स्कूल की पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। परिजनों ने बताया कि आदित्य ने 10 जुलाई की दोपहर जहर खा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर सबसे पहले उसकी मां ने उसे देखा और बाद में पिता

को इसकी जानकारी दी। इसके बाद आदित्य को यूनिक अस्पताल ले जाया गया, जहां शनिवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। आदित्य के पिता पुलिस लाइन में एएसआई के पद पर पदस्थ हैं। परिवार में माता-पिता के अलावा उसका एक छोटा भाई भी है। परिवार मूल रूप से भिंड का रहने वाला है।

महिला बना रही थी शादी का दबाव- कनाड़िया पुलिस के मुताबिक भूरी टेकरी आईडीए बिल्डिंग निवासी 36 वर्षीय भीम सिंह चौहान, पिता नानकराम चौहान, ड्रेनेज लाइन डालने का ठेका लेते थे। रविवार सुबह उनकी पत्नी ने उन्हें कमरे में फंदे पर लटका देखा और नीचे रहने वाले छोटे भाई अरुण को सूचना दी। इसके बाद परिजन शव को नीचे उतारकर एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। अरुण ने पुलिस को बताया परिवार पिछले तीन साल से यहां रह रहा है। सामने रहने वाली एक महिला से भीम सिंह की बातचीत थी। वह लगातार शादी करने और साथ रहने का दबाव बना रही थी। भीम सिंह पहले से शादीशुदा थे और उनके तीन बच्चे हैं। पिता भी भाई के परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि महिला भी एक बच्चे की मां है। भीम सिंह के इनकार के बावजूद वह लगातार दबाव बना रही थी, जिससे वह पिछले करीब 10 दिनों से तनाव में थे। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सिलावटपुरा में युवक ने लगाई फांसी- छत्रीपुरा थाना क्षेत्र के सिलावटपुरा निवासी 25 वर्षीय प्रियांशु राठौर, पिता वीरेंद्र राठौर, ने शनिवार रात घर में फांसी लगा ली। पुलिस के मुताबिक देर रात मां ने आवाज लगाई, लेकिन काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिला। कमरे में जाकर देखा तो वह फंदे पर लटका मिला। प्रियांशु कपड़ों की दुकान पर काम करता था। परिवार में माता-पिता और एक भाई हैं। बड़े पिता का परिवार भी साथ रहता है। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

राजवाड़ा से गूंजा हरियाली का संकल्प, लोगों ने किया वादा एक पेड़ मां के नाम लगाने का

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पेड़ में के नाम अभियान को इंदौरवासियों का काफी समर्थन मिल रहा है। शनिवार को राजवाड़ा पर आयोजित विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम में काफी संख्या में नागरिकों ने हस्ताक्षर कर अपनी मां के नाम एक पौधा लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों ने भाग लिया। लोगों ने न केवल हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया, बल्कि निःशुल्क पोहा और चाय का आनंद लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया। अभियान के दौरान एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा मामा स्वयं लोगों के बीच पहुंचे। उन्होंने नागरिकों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया और अपने खुद पोहा परोसा। साथ ही सभी से अपनी मां के नाम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल का संकल्प लेने का आग्रह किया। मंत्री विजयवर्गीय ने भी कार्यक्रम का उत्साहवर्धन किया और लोगों को अपने हाथों से पोहे दिए। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 21 घंटे तक लगातार चलने वाला संगीतमय जन-जागरूकता अभियान रहा। इस दौरान मनीष शर्मा और राजू शर्मा ने प्रेरणादायक गीत ह्यएक अलख जगाउंगा, अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाऊंगा प्रस्तुत कर नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

युवती ने लगाया दोस्त पर छेड़छाड़ का आरोप

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

हीरानगर थाना पुलिस के मुताबिक, फाइनेंस कंपनी में काम करने वाली युवती ने अपने दोस्त अवनीश यादव के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया है। युवती ने बताया कि वह पिछले चार साल से इंदौर में रह रही है। करीब एक साल पहले एक निजी कॉल सेंटर में इंटरव्यू के दौरान उसकी अवनीश से पहचान हुई थी। इसके बाद दोनों की इंस्टाग्राम पर बातचीत होने लगी।

युवती के अनुसार, 9 जून को अवनीश ने व्हाट्सएप पर उसका पता पूछा। सामान्य बातचीत के चलते उसने पता बता दिया। कुछ देर बाद अवनीश उसके कमरे पर पहुंच गया। जब वह किचन में चाय बना रही थी, तब आरोपी पीछे से आया और गलत तरीके से छूने लगा। विरोध करने पर उसने आरोपी को धक्का देकर कमरे से बाहर निकाल दिया।

पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद वह मानसिक रूप से परेशान हो गई और तबीयत खराब होने पर अपने घर चली गई। इंदौर लौटने के बाद उसने शनिवार को हीरानगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूल जाते समय महिला का रास्ता रोका- बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक शादीशुदा महिला ने अंकित पुत्र अशोक साहनी निवासी नंदबाग के खिलाफ छेड़छाड़ की एफआईआर दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसके इलाके में रहता है और काफी समय से उसका पीछा कर बात करने का दबाव बना रहा था।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com